राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 03 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–283 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

8 विधेयक दबाए बैठे हैं गवर्नर; अब केरल की सरकार भी पहुंची SC, अब तक तीन राज्यों की अर्जी

नई दिल्ली। केरल की सरकार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद के खिलाफ देश की सर्वोच्च अदालत में शिकायत की है। कहा है कि वो राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। उनके पास 8 विधेयक लंबित पड़े हैं। राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख करने वालों में केरल सरकार अकेली नहीं है, इससे पहले पंजाब की आम आदमी पार्टी और तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार भी अपने राज्यों के राज्यपाल के खिलाफ मोर्चा खोल चुकी हैं। केरल सरकार का राज्यपाल आरिफ मोहम्मद पर आरोप है कि पिछले दो साल में उनके पास कई विधेयक लंबित पड़े हैं, जिन्हें वो पास नहीं कर रहे हैं। अर्जी में लिखा है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद के पास दो साल से तीन बिल लंबित हैं। इसके अलावा राज्य विधानसभा से इस साल तीन बिल भी उनके पास गए हैं। इन बिलों को राज्यपाल से अभी तक मंजूरी नहीं मिल पाई है। सरकार ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप करने की मांग की है।

राज्यपाल पर लेटलतीफी का आरोप-केरल सरकार का कहना है कि लोक कल्याण के लिए आठ महत्वपूर्ण विधेयकों पर राज्यपाल की लेटलतीफी के चलते उन्होंने सुप्रीम कोर्ट जाने का निर्णय लिया। सरकार ने अदालत से मांग की कि वे इन विधेयकों को पास करने के लिए राज्यपाल को तुरंत निर्देश जारी करें।

अधर में लटकी कल्याणकारी योजनाएं-केरल सरकार ने 1 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने अदालत को सूचित किया कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की निष्क्रियता से संविधान के नष्ट होने का खतरा है। राज्य सरकार विधेयकों के जरिए केरल की जनता के लिए कल्याणकारी योजनाएं लाना चाहती है लेकिन, राज्यपाल विधेयकों को मंजूर नहीं कर रहे हैं। अधिवक्ता सीके ससी के जरिए दायर याचिका में कहा गया है, राज्यपाल का व्यवहार राज्य के लोगों के अधिकारों का हनन करने वाला है। विधेयकों के माध्यम से सरकार जनता के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना चाहती है लेकिन, राज्यपाल की निष्क्रियता के चलते ऐसा नहीं हो पा रहा है।÷ याचिका के मुताबिक, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद के पास तीन विधेयक 2 साल से अधिक समय से लंबित हैं।

देवेंद्र फडणवीस की बोलती 5 मिनट में बंद कर देंगे, मराठा आंदोलनकारी क्यों भाजपा नेता पर ही भड़के

- मराठा आंदोलनकारी मनोज जारांगे पाटिल ने देवेंद्र फडणवीस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यदि हमने फैसला ले लिया तो फडणवीस की बोली 5 मिनट में ही बंद कर देंगे। हमें मजबूर किया जा रहा है।

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार की तमाम कोशिशों के बाद भी मराठा आरक्षण की आग थमती नहीं दिख रही है। अब तो इस मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। पहले भाजपा ने सवाल उठाए और कहा कि आखिर मराठा आंदोलनकारी मनोज जारांगे पाटिल आखिर देवेंद्र फडणवीस पर ही क्यों हमला बोल रहे हैं। अब खुद पाटिल ने जवाब देते हुए कहा है कि यदि हमने फैसला ले लिया तो फिर देवेंद्र फडणवीस की आवाज 5 मिनट में बंद हो जाएगी। मनोज जारांगे पाटिल ने कहा, %यदि हम कुछ गलत बोलते हैं तो वह गलत लगता है। संदेश आ रहे हैं कि ज्यादा मत बोलो। दो दिन से अच्छी बात चल रही थी। लेकिन हमने यदि फैसला ले लिया तो फडणवीस की आवाज 5 मिनट में बंद हो जाएगी।%

पाटिल ने कहा कि अनशन स्थल से मराठा आंदोलनकारियों को उठाया जा रहा है और उन पर केस लग रहे हैं। यहां अधिकारी पूरी तरह से सरकार

के इशारों पर काम कर रहे हैं और आंदोलनकारियों पर ही अत्याचार हो रहे हैं। यही नहीं मनोज जारांगे पाटिल ने साफ किया कि वह आंदोलन अभी खत्म नहीं करने जा रहे। उन्होंने कहा कि हमें तो यह भी नहीं जानना कि सर्वदलीय बैठक में क्या हुआ। हम उस प्रस्ताव को खारिज करते हैं, जिसमें आंदोलन खत्म करने की बात कही गई है। हमारे साथ कोई भी पार्टी नहीं है। वे एक तरफ हैं और मराठा दूसरी तरफ। सब मिलकर मराठाओं को पागल बना रहे हैं।

क्या सिर्फ फडणवीस को ही घेर रहे हैं मनोज जरांगे, अब BJP पूछने लगी सवाल

मराठा लीडर ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि आप लोग जितनी मीटिंग करेंगे, उतनी ही समस्या बढ़ेगी। आप लोग मीटिंग कर रहे हैं और लोग यहां मर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार से लोग परेशान हैं। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण चल रहा है, लेकिन मजबूर किया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने वकीलों से अपील की कि वे मराठों के खिलाफ दायर मुकदमों में पैरवी करें। इस बीच एकनाथ शिंदे सरकार ने मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का सर्टिफिकेट देना शुरू कर दिया है। जालना जिले में 2770 को सर्टिफिकेट दिए गए हैं।

एकनाथ शिंदे ने मीटिंग में बताया, अब तक क्या-क्या किया

गौरतलब है कि बुधवार शाम को मुंबई में सर्वदलीय मीटिंग हुई थी। इस बैठक में शरद पवार, अशोक चव्हाण जैसे सीनियर नेता भी मौजूद थे। बैठक में प्रस्ताव पारित हुआ कि हम सभी मराठा कोटे के पक्ष में हैं। इसके अलावा एकनाथ शिंदे ने मीटिंग में सभी दलों को बताया कि हमने अब तक क्या कदम उठाए हैं। हालांकि विपक्ष ने इस दौरान सवाल उठाया कि शिंदे सरकार ने केंद्र से क्या मदद मांगी है। पवार समेत कई विपक्षी दलों ने मांग उठाई कि इस पर केंद्र सरकार को दखल देना चाहिए।

गाड़ी काटकर निकालना पड़ा मासूम का शव

पंजाब के सुनाम में दर्दनाक सड़क हादसा; 6 की मौत

चंडीगढ़। पंजाब के सुनाम में दर्दनाक हादसा हुआ है। बुधवार देर रात दो बजे हुए भीषण सड़क हादसे में कार सवार 6 लोगों की मौत हो गई। इस सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। बताया जा रहा है कि हादसे की बड़ी वजह दो टैंकरों के बीच में आना है। फिलहाल, पुलिस जांच कर रही है। हादसे में मारे गए लोग मलेरकोटला में बाबा हदर शेख की दरगाह से माथा टेक कर लौट रहे थे। हादसा संगरूर से 15 किलोमीटर दूर मेहला चौक कस्बे में हुआ। श्रद्धालुओं की कार दो टैंकरों के बीच में आ गई। इस दर्दनाक हादसे में एक बच्चे की भी मौत हो गई। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सुनाम और संगरूर सिविल अस्पताल भेजा गया है। सभी मृतक सुनाम के अलग-अलग परिवारों से थे।

सभी 6 लोगों की मौके पर मौत

जानकारी के अनुसार ये सभी लोग सुनाम से एक मारुति कार में सवार होकर मालेरकोटला पीर की दरगाह पर माथा टेकने के लिए गए थे। रात को वापस लौट रहे थे तो मेहला चौक कस्बे के पास कार दो टैंकरों के बीच आ गई और बुरी तरह से पिस गई। हादसा इतना खौफनाक था कि कार में सवार सभी 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मशीन के साथ कार को काट कर शवों को बाहर निकाला

हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को शवों को निकालने के लिए खासी परेशानी हुई। पुलिस ने वेल्डिंग करने वाली मशीन के साथ कार के लोहे को

काट-काट कर शवों को बाहर निकाला। कार को कई टुकड़ों में काटना पड़ा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे की सूचना मिलते ही सुनाम में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों में 50 वर्षीय विजय कुमार 33 वर्षीय दिवेश कुमार,32 वर्षीय दीपक जिंदल , कृष्ण कुमार, नीरज सिंगला और एक बच्चा शामिल है।

बिहार बढ़ाएगा आरक्षण लिमिट ?

नीतीश सरकार शीत सत्र में ला सकती है प्रस्ताव, जाति गणना पर एक्शन की तैयारी

पटना। बिहार में जाति गणना रिपोर्ट जारी होने के बाद आरक्षण का दायरा बढ़ाने पर चर्चा तेज हो गई है। बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 6 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार सदन में जाति गणना रिपोर्ट को पेश करेगी। इसके साथ ही आरक्षण बढ़ाने का प्रस्ताव भी विधानसभा में पेश किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि सरकार ओबीसी और ईबीसी वर्ग के आरक्षण में बढ़ोतरी कर सकती है। पिछले महीने जारी हुई जातीय गणना रिपोर्ट के मुताबिक इन दोनों ही वर्गों की आबादी राज्य में 63 फीसदी है। बिहार विधानमंडल का आगामी शीतकालीन सत्र कई मायनों में अहम रहने वाला है। पहली बार जातिगत सर्वे की रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी। पक्ष और विपक्ष के नेता इस पर अपनी राय रखेंगे। साथ ही इस सत्र में नीतीश सरकार आरक्षण लिमिट बढ़ाने का प्रस्ताव लाकर लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बीजेपी नीत एनडीए के खिलाफ बड़ा दांव खेल सकती है।

70 फीसदी तक बढ़ सकता है आरक्षण का दायरा, फंसेगा कानूनी पेच?

महागठबंधन सरकार के सियासी महकमे में चर्चा है कि जातिगत गणना रिपोर्ट के आधार पर बिहार में आरक्षण लिमिट 50 फीसदी से बढ़ाकर 70 फीसदी किया जा सकता है। अगले हफ्ते शुरू होने जा रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र में ही इस पर कदम उठाने की तैयारी है। हालांकि, इस

बारे में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या आरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए नीतीश सरकार नया कानून लाएगी या नहीं। महागठबंधन के सभी शीर्ष नेता एवं मंत्री इस मामले में फिलहाल चुप्पी साधे हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आरक्षण सीमा बढ़ाने पर कानूनी पेच फंस सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के 1992 के आदेश के बाद से कई राज्यों ने आरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए कानून बनाए हैं, जिसमें आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तक सीमित कर दी गई थी, लेकिन उन्हें अब कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

महागठबंधन के दलों ने की आरक्षण कोटा बढ़ाने की मांग

नीतीश सरकार ने बीते 2 अक्टूबर को जातिगत गणना के आंकड़े जारी किए। इसके एक दिन बाद सीएम नीतीश की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इसमें आरजेडी, जेडीयू, कांग्रेस और तीनों लेफ्ट पार्टियों के साथ असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM ने सर्वे के आधार पर आरक्षण का दायरा बढ़ाने की मांग की।

ओबीसी आरक्षण के दांव से 2024 में INDIA गुट को फायदा

पूर्व मंत्री एवं आरजेडी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि महागठबंधन के सभी दलों और सरकार के अंदर ओबीसी वर्ग को शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में मिलने वाले आरक्षण का दायरा बढ़ाने पर विचार चल रहा है। विधानसभा के आगामी सत्र में इस पर चर्चा संभव है और दोनों सदनों से इस पर प्रस्ताव पारित किया जा सकता है। इसके बाद प्रस्ताव को केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा।

मंडी जिले में हुई सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत, सात घायल

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में धन्यारा के समीप बुधवार शाम एक टेंपो ट्रैवलर गहरी खाई में गिर गई जिसमें चार यात्रियों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने कहा कि एक शादी में शामिल होकर वापस लौट रहे लोगों को लेकर जा रहा एक टेम्पो ट्रैवलर धन्यारा के पास 200 मीटर गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने कहा कि चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य को कोटली सिविल अस्पताल ले जाया गया और गंभीर रूप से घायलों को मंडी जिला अस्पताल स्थानांतरित किया गया। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार सुबह शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। दुर्घटना के कारणों की जांच चल रही है।

दिल्लीवालों को साफ हवा में सांस लेने का अधिकार, प्रदूषण के लिए वन विभाग जिम्मेदार

एचसी की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को राजधानी की वायु गुणवत्ता के लिए वन विभाग को जिम्मेदार बताया है। अदालत ने कहा कि विभाग को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार हो। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने दिल्ली में वैकल्पिक वन के निर्माण और विभाग में रिक्तियों को भरने के मुद्दों पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि प्रदूषित हवा में सांस लेने के कारण बच्चे अस्थमा से पीड़ित हो रहे हैं।

पीठ ने कहा कि सरकारी अधिकारियों की नाक के ठीक नीचे राष्ट्रीय राजधानी के फेफड़े माने जाने वाले रिज क्षेत्र में अतिक्रमण हो रहा है। पीठ ने वन विभाग के प्रमुख सचिव को युद्ध

स्तर पर रिक्तियों को भरने के निर्देश भी दिए हैं। पीठ ने कहा कि हम जिस हवा में सांस लेते हैं उसकी गुणवत्ता के लिए आप जिम्मेदार हैं। यह सुनिश्चित करना आपका दायित्व है कि एक्यूआई में कमी आए।

साफ हवा में सांस लेने का अधिकार

पीठ ने कहा कि दिल्ली के निवासियों को सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा का मौलिक अधिकार है। हरियाली इसमें बहुत मदद करती है। वरिष्ठ अधिकारी ने पीठ को सूचित किया कि विभाग हरियाणा सीमा के पास ईसापुर में 136 एकड़ मानित वन भूमि का पर्यावरण-पुनर्स्थापन करने जा रहा है। यह भी आश्वासन दिया गया कि वन विभाग में विभि-?न रिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। पीठ ने वैकल्पिक वन विकसित करने के लिए अधिकारियों से 750 हेक्टेयर भूमि चिन्हित करने की मांग की थी।

डीजल वाहनों पर प्रतिबंध का व्यापक असर नहीं दिखा

बढ़ते प्रदूषण के चलते दिल्ली में बुधवार (एक नवंबर) से बीएस-3 और 4 श्रेणी के डीजल वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था, लेकिन आनंद विहार से लेकर कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डे पर एनसीआर के बाकी जिलों से चलकर आई बीएस-3 और 4 श्रेणी के बसों का आवागमन जारी रहा। आनंद विहार बस अड्डे पर दोपहर में गढ़, हापुड़ से लेकर आई बसें स्टैंड तक पहुंची। हालांकि, प्राइवेट ट्रांसपोर्टर की ओर से चलाई जा रही बसों को संचालन दिल्ली से नहीं हो पाया। उन्हें गाजियाबाद के कौशांबी और अन्य क्षेत्रों से चलाया गया। हालांकि, परिवहन विभाग का कहना है कि पहले दिन अलग-अलग इलाकों से 45 बसों को जब्त किया गया है।

आप के एक और मंत्री राज कुमार आनंद पर ईडी की छापेमारी, केजरीवाल की पेशी से पहले 9 ठिकानों पर रेड

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेशी से पहले उनके मंत्री राज कुमार आनंद के घर पर छापेमारी शुरू हो गई है। गुरुवार सुबह राजकुमार आनंद के सरकारी आवास समेत 9 ठिकानों पर ईडी की टीम पहुंची और तलाशी की शुरुआत की। सूत्रों के मुताबिक, चीन से हवाला के जरिए आए पैसे को लेकर यह छापेमारी की गई है।

राज कुमार आनंद दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री हैं। उनके पास श्रम रोजगार, एससी और एसटी, गुरुद्वारा चुनाव, सहकारी समितियों का कामकाज भी है। वह पटेल नगर से विधायक हैं। पिछले साल गुजरात चुनाव के दौरान एक धार्मिक टिप्पणी को लेकर राजेंद्र पाल गौतम को केजरीवाल कैबिनेट से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद राजकुमार को मंत्री बनाया गया। राज कुमार आनंद के सिविल लाइंस इलाके स्थित आवास समेत कई ठिकानों पर ईडी की टीम पहुंची। आवास और अन्य ठिकानों के बाहर अर्धसैनिक बलों के अधिकारी तैनात रहे।

केजरीवाल की श्वष्ठ के सामने पेशी, यहां देखिए हर पल का अपडेट

केजरीवाल सरकार के मंत्री और आप के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने छापेमारी पर कहा कि राजकुमार आनंद का दोष है कि वह आम आदमी पार्टी के विधायक और केजरीवाल के मंत्री हैं। अंग्रेजों के जमाने में भी छापेमारी से पहले वारंट कोर्ट से लेना पड़ता था। लेकिन ईडी को इसकी जरूरत नहीं। ईडी के अफसर ही तय करते हैं कि किसके यहां छापेमारी करनी है। सिर्फ विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। ईडी बीजेपी नेताओं के खिलाफ छापेमारी क्यों नहीं करती है।

दिल्ली के मंत्री राज कुमार आनंद के

ठिकानों पर छापेमारी ऐसे समय पर हो रही है जब पार्टी के कई नेता केंद्रीय जांच एजेंसियों के लपेटे में हैं। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया शराब घोटाले के आरोप में इस साल फरवरी के अंत से ही जेल में हैं। हाल ही में पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को भी इसी केस में गिरफ्तार किया गया। एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को महीनों तक जेल में रहना पड़ा। फिलहाल वह स्वास्थ्य कारणों से जेल से बाहर हैं। लेकिन उन्हें नियमित जमानत नहीं मिल पाई है।

आम आदमी पार्टी इन आरोपों को खारिज करती रही है। आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार का दावा है कि केंद्र सरकार उनके नेताओं को फर्जी केस में फंसाकर पार्टी और सरकार को खत्म करने की कोशिश कर रही है। आप ने यह भी आशंका जताई है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया जा सकता है।वहीं, भाजपा अरविंद केजरीवाल समेत तमाम नेताओं के भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाती रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बांग्लादेश से जुड़ाव

भारत-बांग्लादेश ने अपने बीच प्रगाढ़ होते संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ लिया है। एक आभासी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक साथ तीन परियोजनाओं की शुरुआत की है। सबसे खुशी की बात है कि पूर्वोत्तर भारत का बांग्लादेश से सीधे रेल जुड़ाव बढ़ जाएगा। अखौरा-अगरतला क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक, खुलना-मोंगला बंदरगाह रेल लाइन और मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट की इकाई की शुरुआत हुई है। पिछले नौ वर्षों में दोनों देशों के बीच तीन नई बस सेवाएं और इतनी ही रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। अकेले साल 2022 में चार नई आव्रजन जांच चौकियां खुली हैं और कंटेनर, पार्सल ट्रेनें शुरू हुई हैं। बांग्लादेश आज दक्षिण एशिया का एक उभरता हुआ देश है और उसका भारत के साथ बढ़ता जुड़ाव उसके लिए ज्यादा फायदेमंद है। भारत को बांग्लादेश के तेज आर्थिक विकास में भागीदार बनना ही चाहिए। बांग्लादेश यदि विकास के प्रति समर्पित होगा, तो इससे भारत को भी लाभ होगा। अगले साल बांग्लादेश में भी चुनाव होने हैं और भारत के साथ जुड़ाव का वहां राजनीतिक महत्व है। जैसे भारत सरकार साल 2047 को लक्ष्य बनाकर चल रही है, ठीक उसी तरह बांग्लादेश भी 2041 तक विकसित होने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। सांप्रदायिकता और भुखमरी से दूर एक उन्नत, समृद्ध और स्मार्ट बांग्लादेश बनाने में भारत को सहयोगी होना ही चाहिए। भारत सरकार के सहयोग से अनेक परियोजनाओं पर बांग्लादेश काम कर रहा है। बांग्लादेश में 12 आईटी पार्क भारतीय सहायता से बनाए जा रहे हैं। दोनों देश ऑनलाइन भुगतान की एक व्यवस्था से जुड़ने को इच्छुक हैं। ध्यान रहे, एक समय दोनों एक ही देश थे और भारत पूर्वोत्तर भारत से जुड़ने के लिए एक पतले से गलियारे पर निर्भर नहीं था। जिस तरह से दोनों देशों के बीच परिवहन का विस्तार हो रहा है, उससे लगता है कि आने वाले दशकों में दोनों देशों के बीच सीमाओं का अंतर घट जाएगा। दक्षेस या सार्क का जब सपना देखा गया था, तब दक्षिण एशियाई देशों के बीच अबाध परिवहन सेवाओं के बारे में भी सोचा गया था। दक्षिण एशिया में कम से कम बांग्लादेश तनाव से ऊपर उठकर भारत के साथ अपनी सीमाओं को खोल रहा है। भारत की 'पड़ोसी पहले' की नीति में बांग्लादेश का स्थान केंद्रीय है। पाकिस्तान, श्रीलंका की आर्थिक स्थिति बहुत दुर्बल है और दोनों ही देशों में आर्थिक सुधार की रफ्तार भी सुस्त है। नेपाल की अपनी मजबूरियां हैं और अफगानिस्तान में तालिबान का अलग एजेंडा है। ऐसे में, प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका और कोलकाता के बीच दूरियां तेजी से घट रही हैं। इससे व्यापार के साथ ही पर्यटन को भी बल मिलेगा। सांस्कृतिक-सामाजिक जुड़ाव भी प्रगाढ़ होगा। अब भारत-बांग्लादेश के बीच छह रेल लिंक स्थापित हो चुके हैं। भारत बांग्लादेश को अरबों रुपये अनुदान और ऋण के रूप में दे रहा है। ताजा ऊर्जा परियोजना के लिए भी भारत ने बांग्लादेश को 1.6 अरब डॉलर ऋण के रूप में दिया है। आने वाले समय में बांग्लादेश में भी अतिरिक्त ऊर्जा का उत्पादन हो सकेगा और वह भारत को ऊर्जा आपूर्ति कर सकेगा। शेख हसीना की यह टिप्पणी बहुत मायने रखती है, 'हम साबित करेंगे कि पड़ोसी के साथ अच्छे संबंध देश के विकास में कितने सहायक होते हैं।'

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कीटनाशकों से मुक्ति संग किसान की आय भी बढ़े

देविंदर शर्मा

'मालूम नहीं क्यों हम धान की फसल पर और ज्यादा कीटनाशक डालते जा रहे हैं,' यह आश्चर्य दुनिया के शीर्ष राइस साइंटिस्ट डॉ. गुरदेव सिंह खुश ने व्यक्त किया, जब हाल ही में लुधियाना स्थित पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में मेरी उनसे मुलाकात हुई। उन्होंने यह भी कहा कि 'प्लांट ब्रीडर के तौर पर हम वैज्ञानिक धान की कीट रोधी और रोग रोधी किस्में विकसित करते हैं उसके बावजूद साल-दर-साल धान पर कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ता हुआ ही पाते हैं।' डॉ. खुश 35 वर्षों से भी ज्यादा वक्त तक फिलिपींस के अंतर्राष्ट्रीय चावल शोध संस्थान (आईआरआरआई) में कार्यरत रहे। डॉ. खुश जिन्हें कुछ लोगों द्वारा 'पैडी डैडी' भी कहा जाता है, ने चावल की 328 वैरायटीज का विकास किया है, जिनमें ब्लॉक-बस्टर आईआर-36 और आईआर-42 और आईआर 64 किस्म भी शामिल हैं। ये किस्में कुल मिलाकर चावल की खेती के तहत लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र में उगायी जाती हैं। भारत, इंडोनेशिया, वियतनाम, चीन से मोज़ाम्बिक तक, ये किस्में बेहद लोकप्रिय हैं। यहां तक कि, इंडोनेशिया के एक पूर्व कृषि मंत्री ने एक बार आईआरआरआई के तत्कालीन महानिदेशक से मजाक में कहा था कि आईआर36 किस्म ने उनके लिए बड़ा सिरदर्द पैदा किया। फिर उन्होंने अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा, 'हमारे पास अब इतना सारा चावल है कि हमें पता नहीं कि इसे कहां स्टोर करें।' 1980 के दशक में वैश्विक स्तर पर 11 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में धान की आईआर36 वैरायटी रोपी गयी थी, जो किसी भी फसल की किस्म के तहत सबसे बड़ा इलाका था। कृषि अर्थशास्त्रियों ने ज्ञात किया था कि एशियाई किसान हर साल धान का 5 मिलियन टन अतिरिक्त उत्पादन करते हैं, जिससे हर साल एक बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई होती है। आईआर36 किस्म द्वारा प्रदान की गई रोग प्रतिरोधक क्षमता से किसानों को कीटनाशकों की लागत में प्रति वर्ष लगभग 500 मिलियन की बचत हुई। साल 1982 में फिलीपींस के लॉस बानोस में अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के एक एक्सटर्नल रिव्यू के मुताबिक', 'अकेले आईआर36 का असर 21 बरस पहले आईआरआरआई की स्थापना के बाद से इसमें निवेश को सही ठहराने से भी कहीं ज्यादा होगा।' यहीं डॉक्टर खुश के योगदान का कोई मुकाबला नहीं है। इसलिए जब वे धान पर रासायनिक कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग व दुरुपयोग पर चिंता जताते हैं तो यह समय संज्ञान लेने का है। मुझे याद है, आईआरआरआई के पूर्व महानिदेशक डॉ. रॉबर्ट कैंट्रेल ने एक बार कहा था-'एशिया में धान की फसल पर पेस्टिसाइड्स का उपयोग धन और प्रयासों की बर्बादी है।' फिलिपींस के सेंट्रल लुज़ोन सूबे, वियतनाम और बांग्लादेश के किसानों ने भी इसे निर्णायक तौर पर दर्शाया है कि कीटनाशक आवश्यक नहीं हैं। किसानों ने पेस्टिसाइड्स के बिना भी उच्चतर उत्पादकता प्राप्त की है। करीब दो दशक पूर्व डॉ. कैंट्रेल और लेखक अंतर्राष्ट्रीय कृषि रिसर्च के सलाहकार समूह (सीजीआईएआर) के बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य थे। बता दें कि सीजीआईएआर 15 अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्रों की गवर्निंग बॉडी है। हम अक्सर उस गैरजरूरी दबाव से उत्पन्न होने वाले हानिकारक पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चिंता करते थे जो कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं, दोनों के बीच बनाने में कीटनाशक निर्माता सफल रहे थे। वे हमेशा कीटनाशकों से दूर जाने के प्रति राष्ट्रीय कृषि केंद्रों की अनिच्छा पर निराशा व्यक्त करते थे। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) अब उनके नाम पर 'गुरदेव सिंह खुश इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स, प्लांट ब्रीडिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी' और एक संग्रहालय समर्पित कर रहा है, जो इस विवि के पूर्व छात्र भी हैं। ऐसा करके पीएयू ने खुद को महान सम्मान दिया है। डॉ. खुश को वर्ष 1996 का विश्व खाद्य पुरस्कार, जो इन्हें अपने संरक्षक हेनरी बीचेल के साथ मिला था। वहीं ये 1987 में जापान पुरस्कार, 1977 में बोरलॉग पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं। डॉ. खुश को साल 1995 में रॉयल सोसाइटी के सदस्य के रूप में चुना गया था। कम होते भूजल स्रोतों के बारे में उन्होंने स्वीकार किया कि अब धान की ऐसी किस्में विकसित करने का समय आ गया है जिन्हें पानी की जरूरत कम हो। किसी भी दशा में, वे धान के खेत को फसल के अधिकतर भाग तक पानी से लबालब रखने के पक्ष में नहीं थे। जब मैंने उनसे विशेष तौर पर, दुनियाभर में चर्चा का विषय बन रहे खाद्य प्रणाली में बदलावों और खाद, कीटनाशकों व पानी की कम खपत वाली धान किस्में विकसित करने की जरूरत के बारे में पूछा तो उनकी प्रारंभिक प्रतिक्रिया थी कि 'यह अच्छा विचार है'। 'यह सिर्फ तभी संभव है जब हम किसानों को पराली जलाने के बजाय उसे खेत में ही जुताई करके मिट्टी में मिलाने के बारे में सीख देंगे। इससे धरती में पर्याप्त पोषक तत्व बढ़ेंगे, और ऐसे में रासायनिक साधनों की जरूरत कम पड़ेगी।' आने वाले दिनों में हम राइस रिसर्च के,कम से कम पीएयू में, कैमिकल से नॉन कैमिकल धान की खेती की ओर परिवर्तन के बारे में सोच सकते हैं। निःसंदेह, पराली संकट का असल समाधान पराली के स्थानीय स्तर पर ही प्रबंधन में निहित है। ये मानते हुए कि अकेले पंजाब में धान के 200 लाख टन अवशेष पैदा होते हैं, जिनका ऊर्जा उत्पादन के रूप में उद्योगों में उपयोग सीमित रहेगा। उन्होंने किसानों को बायोमास का पर्याप्त प्रबंधन करने में सक्षम बनाने के लिए इंसेंटिव प्रदान करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। यह जरूरी है क्योंकि किसान उन मशीनों को कूड़ा ही बना रहे हैं जिन्हें शुरू में खेत की आग से निपटने के लिए लाया गया था। एक वक्त था जब चावल को गरीबी से जोड़ा जाता था। परंतु उच्च-उपज देने वाली धान की किस्मों के उद्भव के बाद अब चावल के साथ गरीबी का संबंध नहीं माना जाता है। अपनी आत्मकथा 'गुरदेव सिंह खुश - एक धान प्रजनक की यात्रा' (पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित) में वे कहते हैं कि 1960 के दशक में 1 से 3 टन प्रति हैक्टेयर के मुकाबले अब किसान प्रति हैक्टेयर 5 से 7 टन उपज प्राप्त करते हैं। इस बड़े परिवर्तन के चलते धान का कुल उत्पादन बढ़ा है जो साल 1966 में 257 मिलियन टन था और 2014-15 में 720 मिलियन टन हो गया है। यह बढ़ोतरी एशिया में हुई जहां वैश्विक धान उत्पादन का 95 प्रतिशत हिस्सा उत्पन्न होता है। मुझे लगता है आज जरूरी है, वैज्ञानिकों और अर्थशास्त्रियों का ध्यान अब किसानों को मिलने वाले आर्थिक लाभ की तरफ भी जरूर जाना चाहिये। अभी तक हमारा सारा बल उत्पादकता में वृद्धि पर ही था जबकि धान उत्पादन के अर्थशास्त्र को केवल जुबानी सहानुभूति ही मिली है।

अकेले उच्चतर उत्पादकता को ही उच्चतर आय की राह के रूप में नहीं देखा जाना चाहिये। यदि यह सच होता तो भारत में धान किसान धनी किसानों में शामिल होते। भारत में, जबकि 1960 के दशक के बाद धान उत्पादन 4.5 गुणा बढ़ा है लेकिन एक औसत चावल उत्पादक परिवार की खेती से आमदन घटती ही रही है। रिसर्च का ध्यान अब उन नीतियों को देखने पर होना जरूरी है जिन्होंने जानबूझकर कृषि को दरिद्रता में रखा। फसल की उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही किसान की आय में वृद्धि भी रिसर्च की प्राथमिकता बननी चाहिये। आखिरकार, हमें नहीं भूलना चाहिये ः 'किसान नहीं तो खाद्य नहीं।'

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

अलग राजधानी से मिलेगी विकास को नई गति

एम.एस. चोपड़ा

वर्ष 1955 में पंजाब उच्च न्यायालय भवन का उद्घाटन करते समय तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने पंजाब के लिए एक नयी राजधानी की जरूरत और महत्व की बात की। उन्होंने संतोष जताया कि पंजाब के लोगों ने किसी पुराने शहर को अपनी राजधानी के रूप में नहीं चुना। नेहरू जी का मानना था कि ऐसा करने से पंजाब एक पिछड़ा और अविकसित राज्य बन जाता। यह भी कि नयी राजधानी पंजाब के विकास को रफ्तार देगी। एक नवंबर, 1966 को भाषाई आधार पर हरियाणा नया राज्य बना। यह एक रेतीला भू-भाग था जो आधुनिकता और विकास की अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाया क्योंकि इसके पास अपनी राजधानी और उच्च न्यायालय नहीं है। राजधानी किसी राज्य का सिर्फ प्रशासनिक मुख्यालय ही नहीं होती बल्कि यह राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, आर्थिक समृद्धि और लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व भी करती है। किसी राज्य की सांस्कृतिक पहचान में उससे जुड़ी हुई यादें, अनुभव, रिश्ते, मूल्य, साझा इतिहास, विशेषताएं और आपसी विश्वास शामिल होते हैं, जो स्थानीय लोगों को विशिष्ट बनाते हैं। इस पहचान से भाईचारे,एकता और देश प्रेम की भावना पैदा होती है ,जो हर क्षेत्र में नयी ऊंचाइयां देती है। हरियाणा हमेशा से ही पूर्ण राजनीतिक या प्रशासनिक श्रेणी का ही नहीं बल्कि ऐतिहासिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से भी मजबूत राज्य रहा है। लेकिन आज भी इसे अपनी राजधानी व उच्च न्यायालय नहीं मिल सका है। हरियाणा को अपने बड़े भाई पंजाब की तरह ही अपनी अलग और आधुनिक राजधानी की जरूरत है, जिससे सांस्कृतिक पहचान कायम रखते हुए वह अपने आर्थिक विकास को गति दे सके। हरियाणा के राजनीतिक नेतृत्व ने नई राजधानी के दूरगामी असर को समझने में देर की है। राजनैतिक फायदों के लिए उन्होंने नई राजधानी के मुद्दे को पानी व क्षेत्रीय मुद्दों के साथ उलझाया, मुद्दे का सम्मानजनक समाधान खोजने को गंभीर प्रयास नहीं हुए। दरअसल, कई वजह से हरियाणा को अपनी राजधानी या कम से कम एक कार्यशील राजधानी की जरूरत है। देश के कई राज्यों में दो-दो राजधानियों की व्यवस्था भी है जिससे वहां विकास-रोजगार का दायरा बढ़ने के साथ सरकारी सेवाएं अधिक प्रभावी हो सकें। फिलहाल केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ हरियाणा का प्रशासनिक मुख्यालय है, लेकिन हरियाणा के ज्यादातर इलाकों के निवासियों के लिए यह बहुत दूर है। दूसरे, हरियाणा का अपनी राजधानी पर कोई प्रशासनिक नियंत्रण भी नहीं है, जिससे समय-समय पर कानूनी विवाद या असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। हालांकि, यह शहर राजनेताओं और अधिकारियों के लिए आरामदायक-सुरक्षित और सुखद माहौल देता है, लेकिन दूर-दराज से आने वाले एक आम नागरिक को अपने मामूली प्रशासनिक या न्यायिक कार्यों के लिए यहां आना असुविधाजनक और काफी महंगा है। राजधानी को प्रशासनिक रूप से सुविधाजनक, सांस्कृतिक रूप से सुसंगत और भावनात्मक रूप से सुखद -संतोषजनक होनी चाहिए। हरियाणा के शिक्षित युवा पिछले कुछ सालों से देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। लाचारी-निराशा में ऐसे बहुत युवा नशे के जाल में फंसकर अपराध के दलदल में फंसे हैं। राजनीतिक विसंगति से थक चुकी युवा पीढ़ी सकारात्मक परिवर्तन व विकास चाहती है। आज के युवा नयी राजधानी से पैदा होने वाले नये मौकों का इंतजार कर रहे हैं जिसमें बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ही लाखों करोड़ रुपये का निवेश हो सकता है। इससे राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। नये शहर की राष्ट्रीय राजधानी से कनेक्टिविटी व निकटता हो और इसे अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के ज्ञान केंद्र के रूप में तैयार किया जा सकता है। इससे पिछड़े क्षेत्रों में भी विकास बढ़ेगा। हालांकि, हरियाणा अभी भी मुख्य रूप से कृषि प्रधान राज्य है जहां इसकी आधी से अधिक आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। लेकिन घटती भूमि जोत और अन्य कारणों से किसान, खेत मजदूर और कृषि-कारीगरों की आमदनी कम होती जा रही है। उनके लिए असाधारण उपाय करना बेहद जरूरी है। लक्ष्य को हासिल करने का एकमात्र तरीका हरियाणा को कृषि अर्थव्यवस्था से ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदल कर उसे 'ज्ञान की धुरी' बनाना है। हरियाणा राज्य के विकास के मामले में अपेक्षित लक्ष्य न प्राप्त कर सकने का एक कारण उसका अपनी राजधानी पर प्रशासनिक नियंत्रण का अभाव है। यहां की कई ऐतिहासिक हस्तियों जैसे राजा नाहर सिंह, पं. लखमी चंद, बालमुकुंद गुप्ता, राव तुला राम, चौ. मातु राम, सेठ छाजू राम, डॉ. रामधन सिंह, सर छोटूराम ने हरियाणा के समाज निर्माण में अहम योगदान दिया। सामाजिक सद्भाव व भाईचारे के आदर्शों और प्रतीकों की स्मृतियों को संरक्षित करने,उनके विचारों के प्रसार के लिए चंडीगढ़ में संस्थान तक नहीं बन पाए। आज 57वीं वर्षगांठ मना रहे हरियाणा के गौरवशाली अतीत व पुनरुत्थान हेतु अब अपनी नयी राजधानी जरूरी है।

लेखक हरियाणा सरकार में वरिष्ठ अधिकारी रहे हैं।

विचार मंथन

महाराष्ट्र में तीसरे दिन भी भारी हिंसा

(लेखक-सनत जैन)

मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र में बुधवार को भी हिंसा का दौर जारी रहा। हिंसा, आगजनी ओर तोड़फोड़ की घटनाएं बढ़ती जा रही है। महाराष्ट्र के कई स्थानों पर 144 धारा लागू कर दी गई है। वहां बीड़ और उस्मानाबाद में घोषित कर्फ्यू लगाया गया है। कई स्थान पर अघोषित कर्फ्यू जैसे हालात हैं। इंटरनेट बंद कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कई मुख्य मार्गो को जाम कर दिया है। इसका मुंबई-पुणे मैं सबसे ज्यादा असर पड़ा है। प्रदर्शनकारियों द्वारा जगह-जगह पर नेताओं के ऊपर हमले करने की भी कई घटनाएं सामने आई है। तीन विधायकों के घर में तोड़फोड़ की गई है। तीन विधायकों के इस्तीफा दिए जाने की भी खबर है। मराठा आरक्षण आंदोलन के उग्र स्वरूप को देखते हुए सबसे ज्यादा चिंता नेताओं को होना शुरू हो गई है। वह पब्लिक के बीच और सार्वजनिक स्थानों पर अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों गांव-गांव में भूख हड़ताल शुरू हो गई है। मराठा आंदोलन के नेता मनोज जारांगे ने पानी भी बंद करने की चेतावनी दी है। वह 25 अक्टूबर से भूख हड़ताल पर हैं। उनकी सेहत लगातार गिर रही है। यदि मनोज को कुछ हो गया, तो महाराष्ट्र की हालात बिगड़ते देर नहीं लगेगी। एक तरह से मराठा आरक्षण आंदोलन नेतृत्व विहिन होकर सामूहिक आंदोलन के रूप में सामने आया है। जिसमें जनता का गुस्सा सड़कों पर देखने को मिल रहा है। यह गुस्सा राजनेताओं के खोखले वायदे और एक-दूसरे को लड़ाने के जो प्रयास अभी तक होते आए हैं। उसके विरोध में जनमानष देखने को मिल रहा हैं। जनता का यह गुस्सा सामान्य नहीं है, यह कई महीनो से सुलग रहा है। महंगाई बेरोजगारी और कर्ज के कारण लोगों में भारी गुस्सा बना हुआ है। नेता रोज आकर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, सब्जबाग दिखाते हैं, एक दूसरे के ऊपर आरोप लगाते हैं। इन सबसे जनता अपने आप को ठगा हुआ महसूस करने लगी है। आम जनता के मन में नेताओं के प्रति जो विश्वास था, अब वह खत्म हो रहा है। उसकी जगह आम लोगों के मन में नेताओं के प्रति गुस्सा भड़क रहा है। सरकार और नेताओं ने यदि इस स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया, तो आगे चलकर बगावत जैसे हालात पैदा होते देर नहीं लगेगी। महाराष्ट्र के वर्तमान हालात को देखते हुए बुधवार को सभी 52 राजनीतिक दलों के नेता सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए, सभी दलों के राजनेताओं ने मिलकर जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने अपने संदेश में यह भी कहा कि मराठा आरक्षण की मांग को पूरा करने के लिए कुछ दिन का समय मांगा है। ताकि कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए आरक्षण लागू किया जा सके। जनता पर इस अपील का विश्वास होता हुआ नहीं दिख रहा है। महंगाई बेरोजगारी और कर्ज के कारण लोगों का जीवन यापन बड़ा मुश्किल हो गया है। आम जनता की इस खराब हालत को लेकर आज भी राजनेता गंभीर नहीं हो रहे हैं। जिसके कारण सड़कों पर और गांव-गांव में यह गुस्सा भड़क रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार को महाराष्ट्र की वर्तमान स्थिति को केवल मराठा आरक्षण से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। आम आदमी अपने रोजमर्रा के जीवन में इतना परेशान है, कि वह मरने मरने पर उतारू हो रहा है। पहली बार इसका निशाना, नेता बनते हुए नजर आ रहे हैं। राजनेताओं को इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए आम आदमी को राहत पहुंचाने की दिशा में काम करना जरूरी हो गया है। नेताओं ने अपनी भूमिका जनता के सामने भगवान की तरह बना ली है। जनता की मांग पूरी नहीं होने पर उसे लगता है नेताजी हमारे साथ अन्याय कर रहे है। जिसके कारण नेताओं पर गुस्सा फूट रहा है। नेताओं को यह बात समझ लेनी चाहिए।

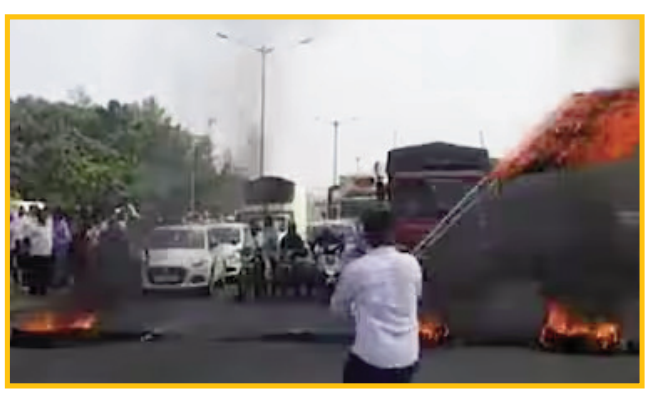

सोना बढ़कर 61 हजार, चांदी लगभग 72 हजार रुपए

नई दिल्ली । दो दिन की सुस्ती के साथ शुरुआत के बाद गुरुवर को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव अब बढ़कर 61 हजार और चांदी के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमएसएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 105 रुपये की तेजी के साथ 60,890 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 73 रुपये की तेजी के साथ 60,858 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 60,930 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 60,851 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 392 रुपये की तेजी के साथ 71,690 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 522 रुपये की तेजी के साथ 71,820 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 71,933 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 71,690 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। वहीं बै श्विक बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 1992 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1987.50 डॉलर था। फिलहाल यह 4.80 डॉलर की तेजी के साथ 1992.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.05 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.79 डॉलर था। फिलहाल यह 0.29 डॉलर की तेजी के साथ 23.08 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

निर्मला सीतारमण ने श्रीलंका के त्रिंकोमाली में एसबीआई शाखा का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को श्रीलंका के त्रिंकोमाली शहर में भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा का उद्घाटन किया।केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा, पूर्वी प्रांत के गवर्नर सेंथिल थोंडामन, श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले और एसबीआई के अध्यक्ष दिनेश खारा भी उद्घाटन के अवसर पर मौजूद थे। शाखा का उद्घाटन करने के बाद निर्मला सीतारमण ने सराहना की कि एसबीआई अपनी 159 साल की महत्वपूर्ण उपस्थिति के साथ, श्रीलंका का सबसे पुराना बैंक है और देश और विदेश में अपना कारोबार बढ़ा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि श्रीलंकाई आर्थिक संकट के दौरान, द्वीप राष्ट्र में एसबीआई की उपस्थिति ने भारत सरकार द्वारा श्रीलंका को 1 अरब डॉलर की ऋण सुविधा के सुचारू विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया। इसके अलावा, एसबीआई श्रीलंका अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में कॉरपोरेट्स का समर्थन कर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा, श्रीलंका में एसबीआई इन-ब्रांच संचालन के अलावा, एसबीआई श्रीलंका योनो एप और ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए एक मजबूत डिजिटलप्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रेषण को बढ़ा रहा है। श्रीलंका की तीन दिवसीय यात्रा पर गईं निर्मला सीतारमण शुक्रवार को जाफना में एसबीआई की एक शाखा का उद्घाटन करेंगी।

अमेरिकी फेड की टिप्पणी से भारतीय बाजारों में उछाल आया

मुंबई।

यूएस फेड की नरम टिप्पणी के कारण गुरुवार को वैश्विक और घरेलू बाजार की धारणा में सुधार हुआ। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा किइसके अलावा, अमेरिकी बांड पैदावार में गिरावट ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर लंबे समय तक रोक का संकेत देती है।उन्होंने कहा कि घरेलू मैक्रोज़ सकारात्मक ऑटो नंबर, जीएसटी संग्रह में वृद्धि, अच्छे फैक्टरी डेटा, अनुमानित दूसरी तिमाही आय से बेहतर के साथ अनुकूल हैं। गुरुवार को निफ्टी 50 इंडेक्स करीब 150 अंक बढ़कर 19,133 पर बंद हुआ। जबकि, सेंसेक्स करीब 500 अंक बढ़कर 64,080 पर बंद हुआ। गुरुवार को ज्यादातर सेक्टर हरे निशान में बंद हुए।बोनांजा पोर्टफोलियो के रिसर्च एनालिस्ट वैभव विदवानी ने कहा कि निफ्टी रियलिटी, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मेटल सभी ने गुरुवार को बेहतर प्रदर्शन किया और क्रमशः 2.52 फीसदी, 1.50 फीसदी और 1.40 फीसदी पर सकारात्मक बंद हुए। उन्होंने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा अपनी बेंचमार्क उधार दर को 5.25 प्रतिशत और 5.5 प्रतिशत के बीच बनाए रखने के परिणामस्वरूप भारतीय बाजारों में काफी तेजी आई, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास में वृद्धि के संकेत के बावजूद गुरुवार को बाजार को सकारात्मक रूप से बंद होने में मदद मिली। सरकारी निगम द्वारा चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही के लिए मजबूत वित्तीय परिणाम जारी करने के बाद, आरईसी गुरुवार को 6 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ। विदवानी ने कहा, आरईसी (पहले ग्रामीण विद्युतीकरण निगम) के अनुसार कंपनी की

कमाई साल दर साल 30.72 प्रतिशत बढ़कर 3,789.90 करोड़ रुपये हो गई। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, अपोलो हॉस्पिटल्स और आयशर मोटर्स निफ्टी पर शीर्ष पर रहे। हीरो मोटोकॉर्प, टेक महिंद्रा, बजाज ऑटो, बजाज फाइनेंस और ओएनजीसी शीर्ष घाटे में रहे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया चार पैसे बढ़कर 83.24 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे बढ़कर 83.19 पर पहुंचा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा ` कि वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख और सकारात्मक घरेलू बाजार से शुरुआती कारोबार में स्थानीय मुद्रा को समर्थन प्राप्त हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.23 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में वह 83.19 पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त है। वहीं रुपया बुधवार को 83.28 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.51 फीसदी नीचे आकर 106.34 पहुंच गया।

वित्त वर्ष 2028 तक 7.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी भारतीय गेमिंग इंडस्ट्री

नई दिल्ली।

कैजुअल और मिड-कोर गेम्स में इन-ऐप खरीदारी और विज्ञापन राजस्व में वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2028 तक भारतीय गेमिंग बाजार 7.5 बिलियन डॉलर के स्तर तक पहुंचने की संभावना है। भारतीय गेमिंग इंडस्ट्री ने वित्त वर्ष 2023 में 3.1 बिलियन डॉलर का राजस्व कमाया।गूगल के सहयोग से गेमिंग और इंटरएक्टिव मीडिया फंड लुमिकाई की स्टेट ऑफ इंडिया गेमिंग रिपोर्ट के अनुसार, भारत में गेम्स की डिमांड वित्त वर्ष 2023 में 15.4 बिलियन गेमिंग डाउनलोड के साथ मजबूत थी, जो भारत को दुनिया के सबसे बड़े गेमिंग बाजारों में से एक के रूप में चिह्नित करती है। देश में 568 मिलियन से अधिक गेमर्स हैं, जो सभी भारतीय इंटरनेट यूजर्स का 50 प्रतिशत से अधिक हैं। संस्थापक जनरल पार्टनर सलोन सहगल ने कहा, तेजी से डिजिटलीकरण, नए गेमर्स और नए पेड गेमर्स में वृद्धि और उपभोग की जाने वाले गेमिंग कंटेंट की बढ़ती विविधता के कारण भारतीय गेमिंग बढ़ रही है। भले ही इस साल फंडिंग धीमी हो गई है, लेकिन गेमिंग इंडस्ट्री के प्रति दृष्टिकोण पॉजिटिव है। यह डेटा कुल मोबाइल गेम डाउनलोड के मामले में विश्व स्तर पर अग्रणी देशों में से एक के रूप में भारत की वैश्विक स्थिति पर भी प्रकाश डालता है। देश में सभी भारतीय इंटरनेट यूजर्स में से 50 प्रतिशत से अधिक गेमिंग आबादी है। वित्त वर्ष 2023 में यह संख्या 12 फीसदी बढ़ी। डेटा में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि कैसे गेमिंग पर बिताया गया औसत समय 20 प्रतिशत बढ़कर प्रति गेमर प्रति सप्ताह 10-12 घंटे हो गया। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि लगभग 59 प्रतिशत गेमर्स पुरुष और 41 प्रतिशत महिलाएं हैं, जिनमें से 66 प्रतिशत गैर-महानगरों से आते हैं। 58 प्रतिशत से ज्यादा यूजर्स ने कहा कि वे इन-ऐप खरीदारी में भाग लेते हैं, 62 प्रतिशत यूजर्स का दावा है कि यूपीआई गेम के लिए भुगतान का उनका पसंदीदा तरीका है।

प्याज निकाल रहा आंसू, धीरे धीरे दाम कम होने की संभावना

लखनऊ।

मौसम में बदलाव के बीच प्याज की मांग बढ़ी तो इसके भाव भी बढ़ने लगे। महज 10 दिनों 25 से 30 रुपए में बिकने वाला प्याज 70 से 80 रुपए तक बिक रहा है। इसका असर आम आदमी की जेब में भी पड़ा है और इसने आंसू निकालने शुरू किया है। हालांकि थोक विक्रेता कहते हैं कि दामों में धीरे धीरे कमी आने लगेगी। बाजारों के जानकर बताते हैं नवरात्रि के बाद से देशभर में प्याज के दाम अचानक बढ़ने लगे हैं। उत्तर प्रदेश में पिछले दस दिनों में प्याज की कीमतों में लगभग दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। यहां अलग-अलग बाजारों में प्याज की खुदरा कीमतें 70 से 80 रुपए/किलो तक पहुंच गई हैं। महज 10 दिन में प्याज के भाव दोगुना होने से आम आदमी की जेब पर भी बुरा असर पड़ा है। प्याज के रेट में इस तरह से वृद्धि रसोई का बजट प्रभावित कर रहा तो इसमें बिचौलियों के खेल को लेकर भी कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि ठंड बढ़ने और शादी ब्याह का सीजन शुरू होने के साथ प्याज की मांग और बढ़ेगी। इसे देखते हुए प्याज डंप किया जा रहा है। लखनऊ के दुबगग्गा मंडी के होलसेल विक्रेता ओम मिश्रा कहते हैं कि यह 60 से 70 तक पहुंच गया है, अब धीरे धीरे कम होने लगा है। अभी 45 से 50 के बीच में बिक रहा है। अप्रैल के बाद नंबर और दिसंबर में नई फसल आती है। पुराना माल खत्म हो गया है, इस कारण रेट बढ़े हैं। अभी इस माह के आखिरी और दिसंबर की शुरुआत में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश गुजरात से माल आने लगेगा तो दाम और भी कम होंगे। अभी चार पांच दिन में आठ से दस रुपए कम होंगे। मिश्र कहते हैं कि फुटकर में किसी भी सब्जी का कोई रेट फिक्स नहीं होता। वो अपने भाड़े के साथ डैमेज माल की कॉस्ट जोड़ लेते हैं। इसलिए फुटकर में अभी भी 60 से 70 और 80 तक यह बिक रहा है। वहीं फुटकर दुकानदारों का कहना है कि अभी आगे और भी प्याज के दाम बढ़ने की संभावना है। पहले टमाटर लाल हुआ था और अब महंगा प्याज लोगों को रुला रहा है। प्याज-लहसुन के आढ़ती पर कय्यूम खान ने बताया कि पूर्व के दिनों में हुई अधिक वर्षा के कारण बड़ी मात्रा में मध्य प्रदेश में प्याज खराब हो गया है। फिलहाल नासिक से प्याज आ रहा है और आवक कम होने के कारण फुटकर से लेकर मंडी तक में प्याज की कीमत आसमान छू रही है। वहीं दानिश ने बताया कि चुनाव के कारण भी कुछ गाडियां कम आ रही हैं, इसलिए भी रेट बढ़े हुए हैं। लेकिन एक दो दिन में कुछ दाम कम होंगे। फुटकर विक्रेता घनश्याम बताते हैं कि हमें 55 से 60 रुपए के बीच में प्याज मिल रहा है। अगर 10 - 20 रुपए न लिए जाएं तो काम कैसे चलेगा। इसके दाम धीरे धीरे ही कम होने की संभावना है। ग्रहणी किरण कहती हैं कि हर सब्जी में प्याज के बैगर काम चलने वाला नहीं है। लेकिन अभी हाल में इसके दाम करीब दो गुना हो गए हैं। इससे काफी दिक्कत हो रही है, बजट गड़बड़ हो रहा है। 60 से 70 रुपए के बीच में प्याज के दाम हैं। ठेला वाले तो 80 और 90 के बीच में बेच रहे हैं। इधर प्याज की कीमत इतनी अधिक हो गई है कि मध्यम व गरीब वर्ग के लोग कीमत सुनकर ही खरीदारी नहीं करते हैं। उपभोक्ता मंत्रालय ने इस स्थिति से निपटने के लिए कमर कसी है।

भारत निर्मित आईफोन शिपमेंट 2024 तक वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत बढ़ सकता है

नई दिल्ली।

लीडिंग एनालिस्ट ने कहा है कि बाजार की स्थितियों के आधार पर, भारत निर्मित आईफोन शिपमेंट 2024 तक वैश्विक स्तर पर 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।टीएफ इंटरनेशनल सिक्योरिटीज के मिंग-ची कुओ के अनुसार, इस साल एप्पल के वैश्विक आईफोन शिपमेंट में भारत में बने आईफोन की हिस्सेदारी 12 से 14 फीसदी होने का अनुमान है। एक मीडियम ब्लॉगपोस्ट में, उन्होंने आगे भविष्यवाणी की कि आने वाले वर्ष में एप्पल के लिए दक्षिण एशियाई बाजार का महत्व उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगा। कुओ ने कहा, ताइवान की दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन के पास वर्तमान में भारत की आईफोन उत्पादन क्षमता का 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा है। इसमें बदलाव की उम्मीद है क्योंकि टाटा समूह भारत में अधिग्रहित विस्ट्रॉन उत्पादन लाइन में आईफोन का निर्माण शुरू कर रहा है। उन्होंने कहा, ÷टाटा को आईफोन असेंबलर बनाकर एप्पल भारत सरकार के साथ अपने रिश्ते मजबूत कर सकता है। इस कदम से भारत में आईफोन और अन्य उत्पादों की भविष्य की बिक्री को फायदा होगा और अगले दशक में एप्पल की वृद्धि के लिए यह महत्वपूर्ण है। कुओ ने यह भी अनुमान लगाया कि एप्पल नियमित आईफोन 17 के लिए प्रारंभिक विनिर्माण शुरू कर देगा, जो अगले साल की दूसरी छमाही में प्रदर्शित होने वाला है। उनके अनुसार, चीन के बाहर नया आईफोन मॉडल विकसित करने में एप्पल का यह पहला प्रयास होगा। कुओ ने अनुमान लगाया कि 2024 तक चीन के झेंग्झौ और ताइयुआन में फॉक्सकॉन की उत्पादन क्षमता क्रमशः 35 प्रतिशत से 45 प्रतिशत और 75

प्रतिशत से 85 प्रतिशत तक गिर जाएगी। उन्होंने लिखा, भारत में उत्पादन बढ़ाने के अलावा, लक्सशेयर के आईफोन ऑर्डर आवंटन में तेजी से वृद्धि और उत्पादन लाइन स्वचालन में सुधार भी उत्पादन पैमाने में कमी का मुख्य कारण है।

अक्टूबर में लगातार बिकवाली कर रहे एफआईआई कर सकते हैं खरीददारी

नई दिल्ली।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी. के. विजयकुमार का कहना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व का रेट नहीं बढ़ाने का फैसला भले ही उम्मीद के मुताबिक हो, लेकिन बाजार में आशंका बनी हुई है। फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल ने टिप्पणी की कि उच्च मुद्रास्फीति के बावजूद उम्मीदें अच्छी तरह से स्थिर बनी हुई हैं। इसे बाजार ने थोड़ा नरम रूप में लिया। उनका कहना था कि फेड फिर से दरों में बढ़ोतरी नहीं कर सकता। नतीजतन बांड यील्ड में तेजी से गिरावट आई। उन्होंने कहा, बेंचमार्क 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 17 बेसिस प्वाइंट गिरकर 4.75 प्रतिशत हो गई। इसकी वजह से इक्विटी बाजारों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। डॉलर इंडेक्स 106.3 पर, ब्रेंट क्रूड लगभग 85 डॉलर पर और 10-वर्षीय अमेरिकी बॉन्ड यील्ड 4.75 प्रतिशत पर है जो शेयर बाजारों के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा, ऐसी संभावना है कि अक्टूबर में लगातार बिकवाली कर रहे एफआईआई खरीददार बन सकते हैं और अगर ऐसा होता है, तो इजराइल-हमास संघर्ष को लेकर अनिश्चितता के बावजूद बाजार ऊपर जा सकता है। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 444 अंक ऊपर 64,035 अंक पर है। इंडसइंड बैंक 2 फीसदी, सन फार्मा, एचसीएल टेक, एसबीआई 1 फीसदी ऊपर हैं।

जुलाई-सितंबर तिमाही में टाटा स्टील को 6,511 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली।

टाटा स्टील ने 2023-24 की दूसरी तिमाही में 6,511 करोड़ रुपये का कुल शुद्ध घाटा दर्ज किया है। कंपनी यूरोप में अपने परिचालन में घटते मार्जिन से प्रभावित है।पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 1,297 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। टाटा स्टील ने परिचालन से 55,681 करोड़ रुपये का कुल राजस्व दर्ज किया, जबकि एक साल पहले यह 59,877 करोड़ रुपये था। कार्यकारी निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकारी कौशिक चटर्जी ने एक बयान में कहा, भारत के कारोबार में लगभग 20 प्रतिशत का मार्जिन था और ईबीआईटीडीए 6,841 करोड़ रुपये रहा। यूरोप में, विशेष रूप से यूके व्यवसाय में मार्जिन कम हुआ, जबकि नीदरलैंड का व्यवसाय तिमाही-दर-तिमाही मोटे तौर पर स्थिर था। दोनों भौगोलिक क्षेत्रों में प्रति टन राजस्व कम था। हालांकि, नीदरलैंड में लागत में सुधार के कारण मोटे तौर पर समान मार्जिन मिला। कंपनी ने कहा कि उसने टाटा स्टील यूके में इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस रूट आधारित डीकार्बोनाइजेशन परियोजना और पुनर्गठन के संभावित प्रभाव का आकलन किया है। इसके बाद, इसने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में 12,560 करोड़

रुपये और समेकित वित्तीय विवरणों में 2,746 करोड़ रुपये का इंपेयरमेंट चार्ज लिया है। टाटा स्टील ने समेकित वित्तीय विवरणों में 3,612 करोड़ रुपये के पुनर्गठन और अन्य प्रावधानों का भी प्रभार लिया है।

टोयोटा जल्द ही बढाएगी अपना प्रोडक्शन

- इंडिया के दोनों प्लांट्स चल रहे पूरी कैपेसिटी के साथ

नई दिल्ली ।

टोयोटा कंपनी ने इंडिया में अपनी प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। आगामी दिनों में जल्द ही टोयोटा का प्रोडक्शन बढ़ने जा रहा है। जापान मोबिलिटी शो के दौरान टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के बोर्ड मेंबर और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट योइची मियाजाकी ने कहा कि इंडिया के दोनों प्लांट्स पूरी कैपेसिटी के साथ काम कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश में कैपेसिटी बढ़ाने के लिए नया निवेश करने को लेकर चर्चा शुरू कर दी है। मियाजाकी ने कहा कि कोविड के बाद इंडियन मार्केट में तेजी से बदलाव देखने को मिला है और देश में हाई सेगमेंट की कारों की मांग भी बेहद बढ़ गई है।

कोरोना के बाद दूसरे देशों के मुकाबले इंडिया में ऑटोमोबाइल मार्केट ने काफी बढ़त ले ली है और देश में कारों की मांग काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि इसको देखते हुए कंपनी अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रोडक्शन कर रही है। मियाजाकी ने कहा कि ये हमारे लिए अच्छी बात है कि देश में बड़ी कारों की मांग बढ़ रही है। इससे स्पष्ट है कि कार बाजार ग्रो कर रहा है। गौरतलब है कि टोयोटा किर्लोस्कर, टोयोटा मोटर कंपनी और किर्लोस्कर ग्रुप का संयुक्त उद्यम है। कंपनी के दो प्लांट हैं और इनकी प्रोडक्शन कैपेसिटी सालाना आधार पर 3.42 लाख यूनिट्स है। लेकिन कारों की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी को अब तीसरा प्लांट लगाने के बारे में विचार करना पड़ रहा है। यदि ऐसा होता है और कंपनी अपना तीसरा प्लांट भी देश में लगाती है तो इसका सबसे बड़ा असर कंपनी की कारों के वेटिंग पीरियड पर होगा। टोयोटा के देश में फिलहाल दो प्लांट्स हैं और दोनों पूरी कैपेसिटी के साथ ऑपरेट कर रहे हैं।

सिस्को अधिग्रहण से पहले साइबर सिक्योरिटी फर्म स्प्लंक 7 प्रतिशत स्टाफ की करेगा छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।

अमेरिका स्थित साइबर सिक्योरिटी कंपनी स्प्लंक ने ग्लोबल नेटवर्किंग जांयट सिस्को द्वारा अधिग्रहण से कुछ महीने पहले कार्यबल के लगभग 7 प्रतिशत को नौकरी से निकालने की घोषणा की है। स्प्लंक की नियामक फाइलिंग के अनुसार, जनवरी तक इसमें लगभग 8,000 कर्मचारी थे, जिसका मतलब कि लगभग 500 कर्मचारियों को नौकरियों से निकाला जाएगा। कंपनी ने इस साल की शुरुआत में लगभग 300 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। स्प्लंक के सीईओ गैरी स्टील ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के समक्ष दायर कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कहा, हम वित्त वर्ष 2024 को बेहतर बनाने और आगे बढ़ने के लिए काम कर रहे हैं, इस कड़ी में हम यह सक्रिय और रणनीतिक कदम उठा रहे हैं जो टिकाऊ और लागत प्रभावी रहते हुए स्प्लंकर्स को हमारे कस्टमर्स और पार्टनर्स की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए हमारे कार्यबल को और श्रेणीबद्ध करता है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि छंटनी सिस्को के साथ हमारे एग्रीमेंट का परिणाम नहीं है, वे हमारे कस्टमर्स के लिए निरंतर और वृद्धिशील मूल्य प्रदान करने के लिए हमारे संसाधनों और परिचालन संरचना को संरेखित करने के लिए एक साल से ज्यादा समय से स्प्लंक में की गई महत्वपूर्ण पहलों की निरंतरता हैं।एसईसी फाइलिंग के अनुसार, नौकरी से निकाले गए अधिकांश कर्मचारी अमेरिका में स्थित हैं और उन्हें अन्सेसफाइड सेवरन्स और हेल्थकेयर पैकेज प्राप्त होंगे। स्टील ने लिखा, अगले 24 घंटों के भीतर, प्रत्येक ईएलटी मेंबर अपनी टीमों में किसी भी बदलाव का समराइज करने के लिए अपने ऑर्गेनाइजेशन के साथ कम्युनिकेट करेगा। स्प्लंक को रिस्ट्रक्चरिंग लागत में 42 मिलियन डॉलर खर्च करने की उम्मीद है, जिसमें से अधिकांश अप्रैल 2024 के अंत तक खर्च किया जाएगा। सितंबर में, सिस्को ने जेनेरिक एआई युग में लगभग 28 बिलियन डॉलर में स्प्लंक का अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। अधिग्रहण के समापन पर, स्प्लंक के सीईओ, गैरी स्टील, सिस्को की कार्यकारी नेतृत्व टीम में शामिल हो जाएंगे और सिस्को के अध्यक्ष और सीईओ चक रॉबिन्स को रिपोर्ट करेंगे।

टीवीएस जुपिटर 125 खूब हो रहा लोकप्रिय

युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक को आ रहा पसंद

नईदिल्ली ।

युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में टीवीएस जुपिटर 125 खूब लोकप्रिय हो रहा है। इसका माइलेज भी जबरदस्त और स्कूटर में सामान रखने के लिए कंपनी ने पर्याप्त बूट स्पेस दिया है। इस स्कूटर में मॉडर्न और स्टाइलिश लुक के साथ कम्फर्ट भी भरपूर मिलता है।टीवीएस जुपिटर 125 की जिसमें कंपनी ने कुछ ऐसे फीचर्स दिए हैं जो इस सेगमेंट की किसी और स्कूटर में नहीं है। यह स्कूटर ड्रम और डिस्क दोनों के साथ उपलब्ध है.जुपिटर 125 में सेगमेंट में सबसे बड़ा बूटस्पेस दिया गया है।इसमें कंपनी ने 33 लीटर का अंडर सीट बूट स्पेस दिया है जिसमें दो फुल साइज हेलमेट आसानी से एडजस्ट हो जाते हैं।बता दें कि 125ष्ष सेगमेंट में सबसे लोकप्रिय एक्टिवा 125 में केवल 18-लीटर और सुजुकी एक्सेस में 21.8 लीटर का ही बूट स्पेस मिलता है।

जुपिटर के फ्रंट में समान रखने के लिए 2 लीटर का ग्लोव बॉक्स दिया गया है।वहीं इसकी फ्यूल टैंक कैपेसिटी 5.1 लीटर की है.अगर डिजाइन की बात करें तो जुपिटर 125 के बेस वैरिएंट से ही इसमें फुल एलईडी हेडलैंप,

हेडलाइट और फ्रंट एप्रन में क्रोम ट्रीटमेंट मिलते हैं।क्रोम के वजह से यह स्कूटर काफी प्रीमियम दिखता है।डिस्क वैरिएंट के फ्रंट में 220 एमएम का डिस्क मिलता है।स्कूटर के फ्रंट में टेलीस्कोपिक फोर्क और रियर में गैस चार्ज्ड मोनोशॉक सस्पेंशन लगाया गया है.कंपनी ने स्कूटर में ऑयल फिलिंग कैप को सामने दिया है जिससे अब सीट खोलने की जरूरत नहीं पड़ती। अगर इंजन क बात करें तो इसमें कंपनी ने 124.8 ष्ष का सिंगल सिलेंडर फ्यूल इंजेक्टेड इंजन दिया है जो 6.0 केडब्ल्यू का पॉवर और 10.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।स्कूटर में सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स लगाया गया है।जुपिटर 125 में 60 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज मिलने का दवा किया गया है।टीवीएस जुपीटर 125 के बेस वैरिएंट की कीमत 86,405 रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होकर स्मार्टएक्सोनेक्टह्व टॉप वैरिएंट के लिए 96,855 रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है।

एकदिवसीय विश्वकप में आज नीदरलैंड और अफगानिस्तान में होगी टक्कर

लखनऊ (एजेंसी)। एकदिवसीय विश्वकप में शुक्रवार को अफगानिस्तान का मुकाबला डच टीम नीदरलैंड से होगा। इस मैच में दोनो ही टीम जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेंगी। इकाना की कठिन पिच पर इस मुकाबले में बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा होगी। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही अफगान टीम सेमीफाइनल के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखना चाहेगी। उसका लक्ष्य अपना नेट रन रेट बढ़ाने के साथ ही दो अंक हासिल करना है। अभी अफगानिस्तान के छह अंक हैं जबकि डच टीम के चार अंक हैं।

अफगानिस्तान का पलड़ा इस मैच में भारी है क्योंकि उसके पास अच्छे बल्लेबाज और राशिद खान जैसे बेहतरीन स्पिनर हैं। अब तक के मैचों में उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने जिस प्रकार से पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ खेला है उससे नजर आता है कि गत चैम्पियन इंग्लैंड के खिलाफ उसे ऐसे ही जीत नहीं मिली थी।

अफगानिस्तान ने अपने रुख और शानदार जज्बे से सभी का ध्यान खींचा है। जिस तरह कीनिया ने 2003 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था, वैसे ही अफगानिस्तान भी डच टीम को हराकर सेमीफाइनल के लिए दावेदारी पेश करना चाहेगी। इस मैच के बाद उन्हें सात नवंबर को ऑस्ट्रेलिया और फिर 10 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका से खेलना है जिसके परिणामों से ही तय होगा कि वे विश्व कप के सेमीफाइनल) में पहुंचने की क्षमता रखते हैं या नहीं। वहीं अब एक भी मैच में हार उसे बाहर कर देगी।

दूसरी ओर नीदरलैंड की टीम ने भी इस विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश को हराकर सभी को हैरान किया था। इन जीत की बदौलत ही वह 10 टीम की अंक तालिका में बांग्लादेश और निचले पायदान पर चल रही इंग्लैंड से आगे है और उसने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने की बेहद हल्की सी उम्मीद बनाये रखी है। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स की नीदरलैंड ने पिछले मैच में बांग्लादेश को 142 रन के मामूली स्कोर पर आउट कर सभी को हैरान किया। टीम की उम्मीदें एडवर्ड्स के अलावा अनुभवी

साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट, कोलिन एकरमैन और लोगान वान बीक पर रहेंगी।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान 6-6 अंक लेकर शीर्ष चार से बाहर मौजूद अन्य दो टीमें हैं जो अंतिम चार में पहुंचने की दौड़ में शामिल हैं पर अफगानिस्तान का नेट रन रेट पाकिस्तान की तुलना में काफी कम है जिसका मतलब यहै कि अफगान टीम को अगले मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अफगानिस्तान की ताकत हमेशा गेंदबाजी रही है पर इस बार उनकी बल्लेबाजी भी अच्छी है। कप्तान शाहिदी 226 और अजमतुल्लाह उमरजई 203 मध्यक्रम में रन बना रहे हैं जबकि रहमानुल्लाह गुरबाज 224, रहमत शाह 212, इब्राहिम जदरान 212 ने अच्छे रन बनाये हैं। राशिद खान और मुजीबुर रहमान जैसे गेंदबाज इकाना स्टेडियम में गेंदबाजी करने के लिए उत्सुक होंगे जिसकी पिच स्पिनरों के लिए मददगार मानी जाती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

अफगानिस्तान = हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जदरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जदरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, मुजीबुर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, अब्दुल रहमान और नवीनुल हक।

नीदरलैंड = स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान और विकेटकीपर), कोलिन एकरमैन, वेस्ले बारेसी (विकेटकीपर), बास डी लीडे, आर्यन दत्त, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट, रेयान क्लेन, तेजा निदामानुरु, मैक्स ओडोड, साकिब जुल्फिकार, शारिज अहमद, लोगान वान बीक, रोल्फ वान डर मर्वे, पॉल वान मीकेरेन और विक्रमजीत सिंह।

अब नीरज का लक्ष्य 90 मीटर तक भाला फेंकना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लक्ष्य अब 90 मीटर तक भाला फेंकना है और इसके लिए वह अभ्यास में भी लग गये हैं। नीरज ने ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते हैं पर इस दौरान भी वह इस स्तर तक नहीं पहुंच पाये थे। नीरज ने कहा कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है और वह इसके लिए वह अपनी तकनीक में सुधार कर रहे हैं। इस साल विश्व चैम्पियन बने नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने हाल ही में हांगझोउ एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था।

चोपड़ा ने एक कार्यक्रम में कहा, 'मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बाकी है। मुझे लंबे समय तक किसी प्रतिस्पर्धा में यह महसूस नहीं हुआ कि यह मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है या उसके करीब है। उन्होंने कहा, 'छह सेंटीमीटर और हासिल किया जा सकता है। स्टॉकहोम डायमंड लीग में उन्होंने 89.94 मीटर तक भाला फेंका था। उन्होंने कहा, 'मेरे कोच का मानना है कि भाला फेंकने में 60 फीसदी काम पैरों का और बाकी ऊपरी शरीर का होता है। पैरों की भूमिका अहम है। मुझे इसमें सुधार करना होगा। चोपड़ा ने कहा, 'लचीलेपन की कोई परेशानी नहीं है। हाथ की रफ्तार अच्छी है। अगले साल अपनी तकनीक पर काम करूंगा। सब कुछ ठीक रहा और 100 प्रतिशत फिट रहा तो पेरिस ओलंपिक में प्रदर्शन अच्छा रहेगा।

डिकॉक विश्वकप में सबसे अधिक शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

-विराट, रुट और रिचर्ड्स को पीछे छोड़ा

पुणे (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में शतक लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। डिकॉक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 114 रन बनाने के साथ ही अपना चौथा शतक लगाया। इसके साथ ही वह विश्वकप में सबसे अधिक शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। उन्होंने विश्व कप में सबसे अधिक शतक के विराट कोहली, जो रूट, विवियन रिचर्ड्स के रिकार्ड तोड़ दिये। अब विश्वकप में सबसे अधिक शतक के मामले में उनके आगे केवल रोहित शर्मा है।

इस शतक के साथ ही डिकॉक विश्व कप 2023 में 500 से अधिक रन बनाने पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस विश्वकप कप के 7 मैच में 77.85 की औसत और 112.60 की स्ट्राइक रेट से 545 रन बनाए हैं। इसमें

4 शतक शामिल हैं.

वहीं आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप के एक सत्र में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड रोहित के नाम है। रोहित ने 2019 विश्वकप में 5 शतक लगाए थे। क्विंटन डिकॉक ने अब तक विश्वकप कप 2023 में 4 शतक लगाये हैं। वहीं अगर डिकॉक एक और शतक लगाते हैं तो वे रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।

वहीं विश्वकप इतिहास की बात करें तो उसमें भी रोहित नंबर एक पर हैं। उन्होंने सबसे अधिक सात शतक लगाये हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और डेविड वॉर्नर के नाम 6-6 शतक जबकि कुमार संगकारा और रिकी पोंटिंग के नाम 5-5 शतक हैं।

श्रीलंका के खिलाफ रोहित शर्मा का कमाल, वर्ल्ड कप में ऐसा करने वाले बने पहले भारतीय खिलाड़ी

पुणे (एजेंसी)। पुणें में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। वहीं इस मुकाबले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा महज 4 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका ने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर उन्हें अपना शिकार बनाया। लेकिन इस दौरान रोहित ने एक खास कीर्तिमान अपने नाम किया है। दरअसल, उन्होंने मौजूदा वर्ल्ड कप में 400 रन का आंकड़ा छूने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

वहीं रोहित शर्मा को इस मैच से पहले 400 रन पूरे करने के लिए महज दो रन की जरूरत थी। इस वर्ल्ड कप में रोहित के बाद विराट कोहली ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। कोहली के खाते में 350 से ज्यादा रन हैं। वहीं ओवरऑल लिस्ट की बात करें तो रोहित चौथे और कोहली सातवें पायदान पर हैं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने बनाए हैं। डिकॉक 545 रन जोड़

चुके हैं। उनके बाद न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र (415) और ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ओपनर डेविड वॉर्नर (413) का नंबर है।

इसके अलावा साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम (362) और पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (359) क्रमश- पांचवें और छठे नंबर पर हैं। गौरतलब है कि, रोहित ने इस वर्ल्ड कप में सात मैचों में एक शतक और दो अर्धशतक अपने नाम जमाए हैं।

विराट कोहली ने किया ये कारनामा, सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

पुणे (एजेंसी)। पुणे में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। वहीं इस मैच में विराट कोहली से फैंस को 49वें वनडे शतक की उम्मीद है। इसके साथ ही कोहली ने सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। इससे पहले ही रन मशीन ने सचिन का एक और खास रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दरअसल, विराट कोहली ने इस कैलेंडर ईयर में अपने 1000 से ज्यादा रन वनडे में पूरे कर लिए हैं। विराट ने अपने करियर में ऐसा आठवीं बार किया है। इससे पहले भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर के नाम 7 बार एक कैलेंडर ईयर में 1000 से ज्यादा वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज था। विराट कोहली ने साल 2011-14 के बीच प्रत्येक वर्ष ये कारनामा किया है। इसके बाद उन्होंने 2017-19 और 2023 में एक कैलेंडर ईयर में एक हजार से ज्यादा वनडे रन बनाए हैं। जबकि सचिन ने 1994, 1996-98, 2000, 2003 और 2007 में एक हजार से ज्यादा वनडे रन बनाए।

एक साल में 1000+ वनडे

रन बानने वाले खिलाड़ी

वहीं इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर तीन खिलाड़ी संयुक्त रूप से मौजूद हैं। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली, श्रीलंका के कुमार संगाकारा और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोटिंग अपने करियर में 6 बार ये कारनामा करने में कामयाब हुए हैं। फिलहाल, मुकाबले की बात करें तो श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाज का न्योता दिया। जहां भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय पारी के दूसरी ही गेंद में रोहित शर्मा अपना विकेट गंवा बैठे। लेकिन उसके बाद भारत की पारी को कोहली और गिल की जोड़ी ने आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका को भी खिताब की प्रबल दावेदार मानते हैं संदीप पाटिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर संदीप पाटिल के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीका भी खिताब की प्रबल दावेदार है। वहीं दक्षिण अफ्रीका का इतिहास अनिश्चितताओं से भरा रहा है। वह अक्सर अहम मुकाबलों में हार जाती है। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका को चोकर्स भी कहा जाता है। हालांकि इस बार टीम इस मिथक को बदलने का प्रयास करेगी। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि इस बार दक्षिण अफ्रीका को हराना आसान नहीं होगा। वहीं जब नीदरलैंड्स के हाथों दक्षिण अफ्रीका की हार की बात कही गयी तो इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'देखिए, क्रिकेट के खेल का यही तो मजा है। कब कैसे पारी पलट जाती है। कभी ऊपर- कभी नीचे. कभी आगे-कभी पीछे। पांच-पांच ओवर में खेल इधर से उधर हो जाता है। इस वर्ल्ड कप में हमने

देखा है कि कई उलटफेर हुए हैं पर जो अच्छी टीम होती है। जिस टीम में विश्वास होता है वह वापसी करती है। दक्षिण अफ्रीका के अलावा पांच बार की विजेता ऑस्ट्रेलिया ने वापसी की है।' इससे साफ है कि इन टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। विश्वकप में इस बार अफ्रीकी टीम ने काफी रन बनाये हैं। यहां तक कि उसने एकदिवसीय में चार सौ से अधिक रनों का रिकार्ड भी बनाया है।

अपनी बल्लेबाजी का आनंद ले रहा हूं : रोहित

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह विश्वकप में आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं पर इसका मतलब ये नहीं कि बिना सोचे समझे बल्ला घुमा रहे हैं। रोहित ने विश्व कप में अभी सभी मैचों में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया है। रोहित ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मैं अपनी बल्लेबाजी का आनंद ले रहा हूं पर निश्चित तौर पर टीम और हालातों को देखते हुए खेल रहा हूं। यह ऐसा नहीं है कि मैं क्रीज पर उतर कर बिना कुछ सोचे बल्ला घुमा रहा हूं। मुझे पता है कि ठीक से बल्लेबाजी करनी है जिससे कि टीम बेहतर स्थिति में पहुंच सके। यह सब बातें मेरे दिमाग में होती हैं। रोहित ने कहा कि जब मैं पारी की शुरुआत करना हूं तो मुझे पारी की लय तय करनी होती है। इस दौरान लाभ ये रहता है कि मुझ पर विकेट गिरने का दबाव नहीं होता है। जब आप शुरुआत करते हैं तो आप बिना किसी चिन्ता के खेल सकते हैं हालांकि पिछले मैच में पावर प्ले में हम दबाव में आ गए थे। तब हमने 3 विकेट खो दिए थे। भारतीय कप्तान ने कहा कि हमने इस विश्व कप में कई रोमांचक मैच देखे हैं, मैं उन्हें उलटफेर नहीं कहूंगा, क्योंकि प्रत्येक टीम जीतने के लिए आई है। प्रत्येक टीम दूसरी टीम को पराजित करने का प्रयास कर रही है इसलिए यह सोचने का कोई मतलब नहीं बनता कि हम यह मैच आसानी से जीत सकते हैं। रोहित ने कहा कि वर्तमान में बने रहना अहम है। अपनी प्रक्रिया पर ध्यान देना और टीम के लिए काम करना अहम होता है। हम विरोधी टीम के बारे में बहुत अधिक नहीं सोचते हैं और इस पर ध्यान देते हैं।

नोवाक जोकोविच ने वापसी कर जीत हासिल की, मेदवेदेव को मिली हार

पेरिस (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच पेरिस मास्टर्स के दूसरे दौर में बुधवार को टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-3, 6-2 से हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार साल का अंत शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी के तौर पर करने की राह पर है। जोकोविच इस साल सितंबर के मध्य में सर्बिया के लिए डेविस कप खेलने के बाद पहली बार एकल मुकाबला खेल रहे हैं।

पेरिस मास्टर्स के छह बार के चैम्पियन जोकोविच ने रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज कार्लोस अल्काराज पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली है। अल्काराज को मंगलवार को दूसरे दौर में क्वालीफायर रोमन सफिउलिन ने हराया था। रूस के दानिल मेदवेदेव को भी दूसरे दौर के मुकाबले में बुधवार को ग्रिगोर दिमित्रोव ने 6-3, 6-7, 7-6 से हराया जिसके बाद अल्कराज एकमात्र खिलाड़ी हैं जो साल के

अंत में रैंकिंग में जोकोविच से आगे निकल सकते हैं।

जोकोविच पुरुष वर्ग में रिकॉर्ड सात बार साल के अंत में शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी रहे हैं। यह पीट सम्प्रास के रिकॉर्ड से एक अधिक है। महिला टेनिस में महान खिलाड़ी स्टेफी ग्राफ आठ बार साल के आखिर में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी रहीं हैं। इस बीच, टॉमी पॉल और कैस्पर रुड अब एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकेंगे। बारहवीं वरीयता प्राप्त पॉल क्वालीफायर बोटिक वान डी जैंडस्चुल्प से 4-6, 6-2, 3-6 से हार गए, जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त रुड को फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने 7-5, 6-4 से हराया। एटीपी फाइनल्स का आयोजन 12 से 19 नवंबर तक इटली के तूरीन में होगा।

आठ खिलाड़ियों के इस टूर्नामेंट के लिए जोकोविच, अल्कराज, मेदवेदेव, यानिक सिनर और एंड्री रुबलेव पेरिस मास्टर्स से पहले ही जगह पक्की कर चुके हैं। बाकी बचे तीन स्थान के लिए अब स्टेफानोस सितसिपास, अलेक्जेंडर ज्वेरेव, होल्गर रूने, ह्यूबर्ट हर्काज और एलेक्स डी मिनौर के बीच मुकाबला है। चौथी वरीयता प्राप्त सिनर ने मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-7 , 7-5, 6-1 से हराया।

सातवीं वरीयता प्राप्त सितसिपास ने फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-3, 7-6, 10वीं वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने उगो हम्बर्ट को 6-4, 6-7 , 7-6 (5) से और छठी वरीयता प्राप्त रूने ने डोमिनिक थिएम 6-4, 6-2 से मात दी। अन्य मुकाबलों में 11वीं वरीयता प्राप्त हर्काज ने रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-3, 6-2 से हराया जबकि 13वीं वरीयता प्राप्त डी मिनौर ने दुसान लाजोविच को 4-6, 6-4, 6-4 से शिकस्त दी।

आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सीमित ओवरों और टेस्ट के लिए बनाये अलग-अलग कप्तान

डबलिन। आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक अहम बदलाव करते हुए ऑलराउंडर पॉल स्टर्लिंग को सीमित ओवरों जबकि एंड्रयू बालबर्नी को टेस्ट प्रारुप के लिए कप्तान बनाया है। स्टर्लिंग ने अब तक के करियर के दौरान सभी प्रारूपों में 11,756 रन बनाए हैं। वह आयरलैंड की ओर से अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाले केवल 25 क्रिकेटरों में से एक हैं। कप्तानी मिलने पर स्टर्लिंग ने कहा कि आयरलैंड के लिए खेलना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहा है और स्थायी सफेद गेंद के कप्तान के रूप में पुष्टि होना एक ऐसी मान्यता है जिसे मैं हल्के में नहीं लेता। अब हमारा ध्यान अगले 4 वर्षों में संभावित रूप से तीन विश्व कप पर है। स्टर्लिंग ने कहा कि मैंने हाल ही में कहा था कि एकदिवसीय क्रिकेट मेरा पसंदीदा प्रारूप है, और जब 50 ओवर का विश्व कप चल रहा है तो उसे देखना वास्तव में मेरे लिए यह सुनिश्चित करने के लिए एक महान प्रेरक रहा है कि हम 2027 में अगले आयोजन में वहां मौजूद रहेंगे। मैं इस इच्छा को जानता हूं पूरी टीम में यह एक आम भावना है, और इसलिए हम दिसंबर में होने वाली अगली श्रृंखला में इस अभियान का उपयोग करने की कोशिश करेंगे। हम यह भी मानते हैं कि अगले टी20 विश्व कप में अब केवल आठ महीने हैं, इसलिए समय ठीक है। हमारी तैयारी शुरू हो गई है। वहीं राष्ट्रीय चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा कि हमें खुशी है कि स्टर्लिंग) ने इस भूमिका को स्वीकार कर लिया है।

न्यूजीलैंड के 5 खिलाड़ी चोटिल, हेनरी के विकल्प के तौर पर जैमीसन को बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड टीम इस समय चोटिल खिलाड़ियों से परेशान हैं। जिस कारण तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर काइल जैमीसन बतौर मैट हेनरी के कवर वर्ल्ड कप के लिए उन्हें बुलाया गया है। बाएं हाथ के पेसर मैट हेनरी अपनी दाहिनी हैमस्ट्रिंग के स्कैन के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। वहीं लॉकी फर्ग्यूसन लगातार अपनी चोट से उबर रहे हैं।

वहीं न्यूजीलैंड को शनिवार को बेंगलुरु में पाकिस्तान का सामना करना है। टूर्नामेंट के आखिरी चरण के मैचों से पहले दो तेज गेंदबाजों के साथ पांच खिलाड़ियों के चोटिल होने से न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल स्थिति में है। नियमित कप्तान केन विलियमसन (अंगूठा), लॉकी फर्ग्यूसन (टखना) और मार्क चैपमैन (पैर की मांसपेशियों) पहले से ही चोटों से जूझ रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को खेले गए मैच में हेनरी और जेम्स नीशम भी चोटिल हो गये। हेनरी की दाहिनी हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों) के स्कैन के नतीजों के इंतजार के बीच न्यूजीलैंड को जैमीसन को भारत बुलाने पर मजबूर होना पड़ा।

बता दें कि, जैमीसन पहले भी टीम में टिम साउदी के विकल्प के तौर पर थे। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने एक बयान में कहा, 'मैट (हेनरी) की चोट की गंभीरता और पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले कम समय के बीच हम शनिवार के मैच के लिए टीम में गेंदबाज कम होने का जोखिम नहीं उठा सकते है।' उन्होंने कहा, ''मैट ने पिछले दो विश्व कप चक्र में एकदिवसीय क्रिकेट में हमारे लिए विश्व स्तरीय प्रदर्शन किया है, इसलिए हम आज स्कैन परिणामों का अकलन करेंगे। स्टीड ने कहा कि जैमीसन भारत लौटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

साथ ही उन्होंने कहा, 'जैमीसन आज भारत पहुंच जायेगा और हम टीम में उसका वापस स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। वह शुक्रवार को हमारे साथ इस सोच से अभ्यास करेगा कि शनिवार के मैच के लिए उपलब्ध रहे।'

प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने के लिए इंग्लैंड के क्रिकेटरों को लेना पड़ रहा इनहेलर का सहरा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के क्रिकेटरों को आईसीसी विश्व कप के अपने निराशाजनक अभियान के दौरान प्रमुख भारतीय शहरों में प्रदूषण के उच्च स्तर से निपटने के लिए 'इनहेलर' का इस्तेमाल करते देखा गया। ब्रिटिश वेबसाइट 'आईन्यूज डॉट सीओ डॉट यूके' की खबर के मुताबिक इंग्लैंड के कुछ क्रिकेटरों को इनहेलर लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। इनहेलर का इस्तेमाल आमतौर पर अस्थमा से पीड़ित लोग करते हैं। टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले प्रशिक्षण के दौरान इनहेलर का उपयोग करते देखा गया था। दिल्ली की वायु गुणवत्ता गुरुवार को 400 का आंकड़ा पार कर 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई। प्रदूषण ने मुंबई में भी बड़ी चिंता पैदा कर दी है और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले इस मुद्दे पर बात की। रोहित ने बुधवार को कहा, '' मेरा मतलब है आदर्श दुनिया में आप इस तरह की स्थिति नहीं चाहते हैं, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि संबंधित लोग आवश्यक कदम उठा रहे हैं। यह आदर्श स्थिति नहीं है, हर कोई यह जानता है। आपके बच्चे, मेरे बच्चे, हमारी भविष्य की पीढ़ियों को देखते हुए जाहिर है कि यह काफी महत्वपूर्ण है कि उन्हें बिना किसी डर के जीने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, '' हां, जब भी मुझे क्रिकेट के बाहर बात करने का मौका मिलता है, अगर हम क्रिकेट पर चर्चा नहीं कर रहे हैं, तो मैं हमेशा इसके बारे में बात करता हूं। आप जानते हैं कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों का ख्याल रखना है।'' इंग्लैंड की टीम चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अगले मैच के लिए अहमदाबाद में है। इस ब्रिटिश वेबसाइट ने बताया कि शहर में स्वीकार्य वायु गुणवत्ता के कारण खिलाड़ियों के द्वारा इनहेलर का उपयोग करने की संभावना नहीं है। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट से पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका से मिली बड़ी हार के बाद मुंबई में वायु प्रदूषण के बारे में पूछा गया था। उन्होंने प्रदूषण की बात को स्वीकार किया लेकिन इसे टीम की हार का कारण नहीं माना। रूट ने कहा था, '' ऐसा लग रहा था आप सांस नहीं ले पा रहे हैं। यह अलग तरह का अनुभव था।'' उन्होंने कहा, '' कौन जानता है कि क्या यह वायु गुणवत्ता थी? मैं जानने के योग्य नहीं हूं। ऐसा महसूस हुआ जैसे बहुत धुंधला दिन हो, है ना? ''

भारत/दक्षिण अफ्रीका मुकाबले से पहले साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज डूसेन का बयान, कहा- 'हमने भारत को पहले भी हराया है'

मुंबई (एजेंसी)। भारत की परिस्थितियों से शानदार तरीके से सामंजस्य बैठाकर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन ने कहा कि उनकी टीम अगले मुकाबले में भारत की चुनौती से निपटने के लिए तैयार है।

बता दें कि, दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को न्यूजीलैंड को 190 रनों से हराकर लगातार चौथे मैच में जीत के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। डुसेन ने इस मैच में 118 गेंदों में 133 रनों की पारी खेली, जो इस विश्व कप का उनका दूसरा शतक है। टीम का अगला मुकाबला रविवार को कोलकाता में टूर्नामेंट की एकमात्र अजेय टीम भारत से होगा। डुसेन ने न्यूजीलैंड पर टीम की बड़ी जीत के बाद बुधवार को कहा, ''भारत में भारत के खिलाफ खेलना एक बड़ी चुनौती है। वे वास्तव में अच्छा खेल रहे हैं। उनकी टीम में काफी अनुभवी है। टीम में कोई खामी नजर नहीं आ रही है। शानदार गेंदबाजी आक्रमण है और जाहिर तौर पर बल्लेबाजी भी अच्छी है।'' उन्होंने कहा, '' हम मैच में इस सोच के साथ उतरेंगे कि अगर हम वह काम अच्छे से करेंगे जो हम करना चाहते हैं, तो हम वास्तव में मजबूत स्थिति में होंगे। सबसे बड़ी चुनौती दबाव से निपटने की होगी और हम यही करने की कोशिश करेंगे। हमने पहले भी उनका यहां (भारत में) सामना किया है और उन्हें हराया भी है।'' डुसेन ने कहा, ''यह विश्व कप का मुकाबला है लेकिन, यह वास्तव में बहुत अधिक अलग नहीं है। हम इस पहलू पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगे।'' दक्षिण अफ्रीका कई मौकों पर करीब होने के बावजूद अब तक विश्व कप का खिताब नहीं जीत पाया है। इस वनडे विश्व कप में टीम शानदार लय में है। मौजूदा विश्व कप के छह उच्चतम स्कोर में से तीन इस टीम के नाम है। डुसेन ने कहा, ''इस अभियान में हमने वास्तव में अच्छा किया है और हम वास्तव में सिर्फ इस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हम क्या करना चाहते हैं और हम कैसे खेलना चाहते हैं।

गुलाबी मौसम में जरा बच के...

मौसमी बदलाव की आहट आ चुकी है। सुबह-शाम ठंड और प्रदूषण वाली हल्की धुंध भी असर दिखाने लगी है। इसके साथ ही शुरू हो गई हैं सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याएं। लापरवाही के चलते किसी को सर्दी-जुकाम या चेस्ट कंजेशन जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तो कुछ लोग ठंड की वजह से जॉगिंग बंद करने से परेशान हैं। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस बदलते मौसम में फिट रख सकती है

घर पर करें वॉर्मअप

अगर आपको डायबीटीज, अस्थमा या दिल की बीमारी है तो सुबह-शाम बाहर निकलने से बचें, क्योंकि इस समय कोहरे के साथ प्रदूषण मिलकर पूरे वातावरण में फैल जाता है। इस दौरान बाहर निकलने से सांस के जरिए प्रदूषण फेफड़ों तक पहुंचकर कंजेशन बढ़ा सकता है।

इससे आपको सांस लेने में तकलीफ हो सकती है या अस्थमा का अटैक आने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे में या तो धूप खिलने और आसमान साफ होने के बाद जॉगिंग या एक्सरसाइज के लिए बाहर निकलें या घर में ही एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस मौसम में दो तरह की एक्सरसाइज आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

1. कॉर्डियोवेस्कुलर वर्कआउट

सर्दियों में शरीर में जमने वाले एक्स्ट्रा फैट का सबसे ज्यादा असर दिल पर पड़ता है। एम्स में मेडिसिन डिपार्टमेंट में प्रफेसर डॉ. ए.बी. डे का कहना है कि यह फैट दिल की धड़कनों पर बुरा असर डालता है। ऐसे में दिल से जुड़ी बीमारियों की आशंका इस मौसम में कई गुना बढ़ जाती है। वजन बढ़ने की समस्या भी इसी मौसम में ज्यादा होती है। इस तरह की परेशानी से निबटने के लिए आप घर पर ही कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग से जुड़ी आसान एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसमें आपको 20 मिनट या इससे थोड़ा ज्यादा समय तक ऐसे व्यायाम करने होंगे, जो आपके दिल की धड़कनों को सामान्य से काफी तेज कर दें। घर पर आजमाई जाने वाली कॉर्डियोवेस्कुलर ट्रेनिंग के तहत अपनी जगह पर ही खड़े होकर जॉगिंग कर सकते हैं, रस्सी कूद सकते हैं, लगातार 20 से 25 बार उछल सकते हैं, घर की सीढ़ियों पर दो-तीन बार तेजी से ऊपर-नीचे कर सकते हैं। आप इनमें से हर एक को आजमा सकते हैं। हर तरह की एक्सरसाइज को 5-5 मिनट के लिए किया जा सकता है। ये तरीके आपके बाहर निकलने की परेशानी को भी दूर करेंगे, साथ ही आपके दिल को हमेशा जवां रखेंगे।

2. मांसपेशियों व जोड़ों से जुड़ा वर्कआउट

सर्दियों में मांसपेशियों का जकड़ जाना भी आम समस्या है। इसके अलावा, इस मौसम में जोड़ों के दर्द की परेशानी भी देखने को मिलती है। इसके लिए घर पर ही कुछ खास तरह की एक्सरसाइज के जरिए इन्हें दूर किया जा सकता है। मांसपेशियों के जकड़ जाने पर उन्हें व्यायाम के जरिए ही आराम पहुंचाया जा सकता है। पुशअप और पुलअप मांसपेशियों को लचीला बनाए रखने का आसान तरीका है। इसके लिए कहीं भी बाहर निकलने की जरूरत नहीं है। इसके साथ घर पर ही एक्सरसाइज के कुछ खास उपकरणों के जरिए भी मांसपेशियों की जकड़न को दूर किया जा सकता है। डंबल से वॉर्मअप किया जा सकता है। जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए आपको व्यायाम के लिए अलग से वक्त भी नहीं निकालना है। काम करते हुए भी कुछ मिनट का ब्रेक लें और बैठे-बैठे ही हाथ और पैरों के जोड़ को घुमाते रहें।

अपनाएं ये टिप्स

- कपड़ों का खास ध्यान रखें, अगर सुबह बाहर निकलते हैं तो गर्म कपड़े साथ रखें ताकि ठंड लगने पर उनका इस्तेमाल कर सकें।
- सुबह देर से घर से निकलने वाले अक्सर लापरवाही का शिकार होते हैं। देर शाम घर लौटते वक्त मौसम ठंडा हो जाता है, लेकिन दिन की गर्मी देखकर आप गर्म कपड़े आपने साथ नहीं रखते। ऐसी गलती न करें।
- अगर डायबीटीज, हाई ब्लड प्रेशर या अस्थमा जैसी समस्या है तो अपने डॉक्टर से मिलकर मौजूदा मौसम के हिसाब से दवाओं के डोज आदि की जानकारी लें और दवाएं नियमित लें।
- बाइक चलाते वक्त विंड शीटर और मफलर का इस्तेमाल करें, क्योंकि सीने और नाक-कान के जरिए ठंडी हवा शरीर तक पहुंचने से समस्या बढ़ती है।
- बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखें, क्योंकि इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता युवा लोगों के मुकाबले कम होती है।
- ठंड में आपको प्यास का अहसास कम होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपके शरीर को कम पानी की जरूरत होती है। ठंड में भी खूब सारा पानी पिएं।
- साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। वायरल बेहद संक्रामक होता है। साफ-सफाई में हल्की-सी लापरवाही होने पर भी यह तेजी से एक-दूसरे तक फैलता है।

कैसा हो भोजन

भोजन हमारी मूल आवश्यकता है। इसके बगैर अधिक दिनों तक जीवित नहीं रहा जा सकता है, लेकिन वह कब, कैसे और कितना करना चाहिए, इस बारे में आमजनों को जानकारी नहीं है। परिणामस्वरूप उन्हें अपच, गैस, एसिडिटी कब्ज आदि की शिकायत होने लगती है। भोजन ऐसा हो जो शरीरी को पोषण प्रदान करें।

भोजन ऐसा हो जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्वों का समावेश हो यानी प्रोटीन, विटामिन, वसा, कार्बोहाइड्रेट्स, खनिज, लवन तथा रेशा। भोजन में सलाद का होना जरूरी है, जिसमें ककड़ी, टमाटर, प्याज, चुकंदर, पतागोभी, मूली, गाजर आदि हो।

भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां अवश्य हो जैसे पालक, मेथी, बथुआ, मूली आदि इसके अलावा मौसमी सब्जियां, जैसे गिलकी, तुरई, भिंडी, पत्ता गोभी, फूल गोभी, लौकी, कद्दू, गवारफली, मटर, टिंडा, हरा चना, आलू, अरबी आदि।

दालों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें, जिसमें मूंग, तुअर, चना, मसूर की दाल शामिल है। उड़द की दाल का सेवन कम करें।

कब न करें

जब मन खिन्न, उदास हो
जब किसी की बीमारी या मौत का सदमा लगा हो
जब आप गुस्से और तनाव में हों
जब आपके घर में पारिवारिक कलह मच रहा हो
जब भूख न हो।

कैसे करें

जल्दबाजी में नहीं, धैर्यपूर्वक करें
खड़े होकर नहीं, बैठकर भोजन करें
भोजन को ठीक से चबाकर करना चाहिए
भोजन के दौरान अधिक बतियाएं नहीं
भोजन करते समय अपना टीवी, मोबाइल फोन बंद रखें
भोजन करते समय अखबार या पत्रिकाएं न पढ़ें
भोजन को शांतभाव और प्रसन्नचित होकर करना चाहिए
एक हाथ से भोजन करें, दोनों हाथ जूठे करना ठीक नहीं
लेटे-लेटे भोजन करने की प्रवृति ठीक नहीं।

भोजन के पहले यह करें
हाथ, मुंह और पैर अच्छे से धोएं
सुविधाजनक कपड़े पहनें
यदि भोजन के पहले कोई दवा गोली लेना हो तो वह लें
यदि शौच की हाजत लगे तो निवृत हो लें

भोजन से ठीक पहले यह न करें
चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक का सेवन न करें
डटकर पानी न पिएं।

कितना करें

भूख से थोड़ा कम खए

भोजन की जरूरत शारीरिक श्रम के अनुसार कम अधिक हो सकती हैं।

बढ़ती आयु के किशोरों को अधिक तथा प्रौढों व वृद्धों को कम भोजन की आवश्यकता होती है।

कितना ही पसंदीदा भोजन क्यों न हो जरूरत से ज्यादा न करें

खाने के लिए जीने की बजाय जीने के लिए खाने का सिद्धांत अपनाएं

सप्ताह में एक दिन उपवास रखें

सर्दियों में पाचन क्रिया तेज रहती है, लेकिन गर्मी व बारिश में मंद पड़ जाती है

भोजन करने के दौरान किसी अप्रिय प्रसंग को न छेड़ें
भोजन जैसा भी बना हो उसे स्वीकार करें
भोजन के दौरान उत्तेजित न हों
थाली को छोड़कर कोई काम निपटाने न जाएं

भोजन के बाद यह करें

मूत्र त्याग के लिए जाएं
दिन के भोजन के बाद 20 मिनट विश्राम करें
रात्रि भोजन के बाद 100 कदम टहले
भोजन के एक घंटे बाद पानी पिएं

भोजन के बाद यह न करें

भोजन के तुरंत बाद ढेर सारा पानी न पिएं
भोजन के तुरंत बाद कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, आइस्क्रीम आदि का सेवन न करें।
भोजन के तुरंत बाद अधिक परिश्रम वाले कार्य न करें
भोजन करते ही शौच के लिए न जाएं
भोजन के तुरंत बाद कसरत या व्यायाम वर्जित है।

कंप्यूटर पर काम करते वक्त आंखों को दें थोड़ा आराम

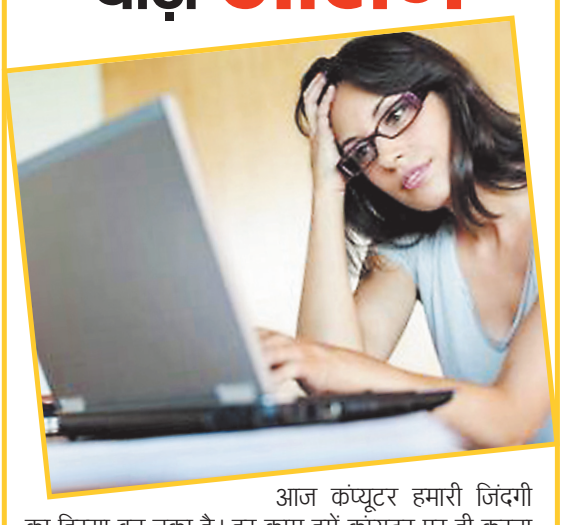

आज कंप्यूटर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। हर काम हमें कंप्यूटर पर ही करना होता है। लेकिन, कंप्यूटर पर लगातार काम करते रहने का असर हमारी आंखों पर पड़ता है। इसकी वजह से कई बार हमारी आंखें लाल और थकी हुई लगती हैं। इतना ही नहीं इससे आंखों की रोशनी पर भी प्रभावित होती है। इसलिए जरूरी है कि कंप्यूटर पर काम करते समय हम उसकी ब्राइटनेस को अडजस्ट करें, जिससे उसका ज्यादा असर हमारी आंखों पर न हो। आइए आज हम आपको ऐसे ही कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनसे आप अपनी आंखों का ख्याल रख सकते हैं-

आंखों के लिए लें ब्रेक - कंप्यूटर स्क्रीन पर लगातार नजरें गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी दबाव पड़ता है। तो इसके लिए जरूरी है कि आप थोड़ी-थोड़ी देर के लिए ब्रेक लेते रहें। कुछ देर के लिए अपनी नजरें कंप्यूटर से हटाकर दूर किसी चीज पर केंद्रित करें या फिर आप यूं ही कुछ देर के लिए अपनी सीट से उठकर घूमने जा सकते हैं। यह प्रॉसेस 20-30 मिनट के अंतराल पर कीजिए।

पलकें झपकाते रहें- पलकों को लगातार झपकाते रहना आंखों को तरो-ताजा बनाए रखने और उस पर पड़ने वाले दबाव को कम करने का कारगर तरीका है। कंप्यूटर पर काम करने वालों को हर तीन-चार सेकेंड में अपनी पलकों को झपकाते रहना चाहिए। दरअसल हमारी आंखों में एक द्रव्य होता है, जो पलकों के झपकाने से बनता है। लेकिन अगर आप बिना पलक झपकाए काम करते रहेंगे तो यह द्रव्य सूख सकता है और इससे आंखों की रोशनी जा सकती है।

कंट्रास्ट कम करना रहेगा बेहतर- अगर आपकी आंखों पर बहुत ज्यादा जोर पड़ रहा है, तो एक बार अपने कंप्यूटर की ब्राइटनेस और कॉन्ट्रास्ट को भी अडजस्ट करके देखिए। इससे भी आपकी आंखों को फायदा होगा। कंप्यूटर की ब्राइटनेस न तो ज्यादा और न ही कम रखें।

कंप्यूटर फ्रेंडली बनें - ध्यान रखना होगा कि वर्कप्लेस पर रोशनी पर्याप्त है या नहीं। आपको एसी के नीचे बैठने से बचना चाहिए क्योंकि इससे आंखों की नमी कम हो सकती है और आंखें रूखी हो सकती हैं।

इन्हें आजमाएं, कब्जियत दूर करें

हर एक रोगी आहार-विहार में असंयम के कारण कब्ज का शिकार होता है। कब्ज से ही दुनिया-भर की बीमारियाँ होती हैं। अपना आहार विहार सुसंयमित कर लें तो कभी कोई बीमारी नहीं होगी। असंयम के कारण कभी कोई रोग हो भी जाये तो प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से उसका धैर्यपूर्वक इलाज कराना चाहिए। ऐसा कोई रोग नहीं जो प्राकृतिक चिकित्सा से अच्छा नहीं किया जा सकता हो। प्राकृतिक चिकित्सा प्राणीमात्र के लिए वरदान है। अतः पहले संयम से रहकर कब्ज मिटाइए।

पहला प्रयोग - रात का रखा हुआ सवा लीटर पानी हर रोज सुबह सूर्योदय से पूर्व बासी मुँह पीने से कभी कब्जियत नहीं होगी तथा अन्य रोगों से सुरक्षा होगी।

दूसरा प्रयोग- रात्रि में पानी के साथ 2 से 5 ग्राम त्रिफला चूर्ण का सेवन करने से अथवा 3-4 तोला (40-50 ग्राम) मुनक्का (काली द्राक्ष) को रात्रि में ठण्डे पानी में भीगोकर सुबह उन्हें मसलकर, छानकर थोड़े दिन पीने से कब्जियत मिटती है।

तीसरा प्रयोग- एक हरड़ खाने अथवा 2 से 5 ग्राम हरड़ के चूर्ण को गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज मिटती है।

चौथी प्रयोग - गुडुच का सेवन लंबे समय तक करने से कब्ज के रोगी को लाभ होता है।

पाँचवाँ प्रयोग कड़ा मल होने व गुदाविकार की तकलीफ में जात्यादि तेल या मलहम को शौच जाने के बाद अंगुली से गुदा पर लगायें। इससे 7 दिन में ही रोग ठीक हो जायगा। साथ में पाचन ठीक से हो ऐसा ही आहार लें। छोटी हरड़ चबाकर खायें।

छठा प्रयोग- एक गिलास सादे पानी में एक नींबू का रस एवं दो-तीन चम्मच शहद डालकर पीने कब्ज मिट जाता है।

सातवाँ प्रयोग- एक चम्मच सौंफ का चूर्ण और 2-3 चम्मच गुलकन्द प्रतिदिन दोपहर के भोजन के कुछ समय पश्चात् लेने से कब्ज दूर होने में सहायता मिलती है।

सावधानी - कब्ज सब रोगों का मूल है। अतः पेट को सदैव साफ रखना चाहिए। रात को देर से कुछ भी न खायें तथा भोजन के बाद दो घंटे तक न सोयें। मैदे से बनी वस्तुएँ एवं दही अधिक न खायें।

हमास प्रमुख के बेटे ने कहा, हमेशा मुसलमानों की ओर से ही हिंसा क्यों होती

-भारतीयों और खासकर हिन्दुओं की जमकर तारीफ की

न्यूयॉर्क । फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास की शुरुआत करने वाले सदस्यों में से एक शेख हसन युसूफ के बेटे मोसाब हसन फिर से सुर्खियों में हैं। मोसाब से उनके पिता ने कई साल पहले नाता तोड़ लिया था। पिछले दिनों उन्होंने एक इंटरव्यू में भारतीय और खासकर की हिंदुओं की जमकर तारीफ की है। मोसाब इस बात से काफी खुश हैं कि भारतीयों ने विशेषकर हिंदू समुदाय ने हमास जैसे आतंकी संगठन के खिलाफ आवाज उठाई है। मोसाब को लोग उनकी एक किताब सन ऑफ हमास की वजह से काफी जानते हैं। मोसाब ने कहा है कि मुसलमान कभी भी दूसरे समुदायों के साथ नहीं रह सकते हैं और वे ऐसा चाहते ही नहीं हैं। मोसाब ने कहा, हिंदुओं को कोई समस्या नहीं है, ईसाई और यहूदी भी साथ रह लेते हैं। तब फिर सवाल उठता है कि सिर्फ मुसलमानों की ओर से ही हमेशा हिंसा क्यों होती है। मुझे इस दुनिया में किसी से कोई समस्या नहीं है, भारतीयों, ईसाईयों और यहूदियों को नहीं है और सभी एक साथ रहते हैं। मोसाब ने कहा कि उन्होंने इस्लामवादी विचारधारा को खारिज कर और हिंसा को ना कहने की वजह से उन्हें काफी कुछ झेलना पड़ा जो कि मौत के समान था। मोसाब के शब्दों में, मेरे पूरे देश ने मुझसे किनारा कर लिया। मुझे शैतान करार दिया। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि मैंने हिंसा, खूनखराबा और आत्मघाती हमलों को ना कहा। वे हर उस इंसान के साथ ऐसा ही करते हैं, जो उनके तरीकों को नहीं मानता है। मैं दोनों पक्षों को जानता हूं और इस आधार पर मैं कहता हूं कि हमें इजरायल के पीछे एकजुट होना होगा। यूसुफ ने कहा कि हमास की मानसिकता को खत्म करने की जरूरत है। उन्हें यह बताने की जरूरत है कि यह जीवन जीने का तरीका नहीं है। वे काफी क्रूर हैं। धरती केवल हमास या मुसलमानों की नहीं है। मोसाब ने कहा, भारत में मेरी सेना, जो लोग कृष्ण और गीता और उपनिषदों को समझते हैं, उन्हें कमर कसने और दुनिया में इस अल्पसंख्यक को दिखाने की जरूरत है कि इस्लामिक सोच हरगिज स्वीकार नहीं की जाएगी। जिस तरह से वे हिंसा फैलाते हैं और जिस तरह से वहां अपना एजेंडा हासिल करना चाहते हैं, व मंजूरी नहीं है। भारतीयों को आगे बढ़ना चाहिए, हिंसा के रास्ते नहीं। लेकिन उन्हें दृढ़ रहना चाहिए और किसी भी प्रकार के इस्लामी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करना चाहिए। मोसाब ने हमास छोड़ने के बाद शिन बेट के लिए मुखबिर के तौर पर 10 साल वर्षों तक काम किया है। शिन बेट इजरायल की वह आतंरिक सुरक्षा एजेंसी है जो हमास की गतिविधियों पर नजर रखती है। अब उन्होंने क्रिश्चियन धर्म स्वीकार कर लिया है और अमेरिका में रहते हैं।

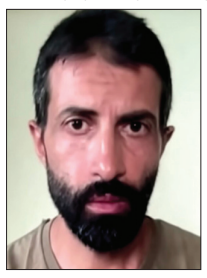

सिटाडेल 1200 कर्मचारियों को फ्री में कराई ट्रिप

लंदन । अगर आपको किसी ऐसी निजी कंपनी के बारे में बताया जाए, जो अपने कर्मचारियों को महंगे-महंगे ट्रिप करा रही हो, तो हैरानी होगी, है ना । प्राइवेट नौकरी से जुड़े कई मिथकों को तोड़ने की कोशिश सिटाडेल नाम की कंपनी के एक दरियादिल बॉस ने की है। उन्होंने हाल ही में अपने कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजा है, वो पूरे परिवार के साथ ताकि वो अपना फैमिली टाइम एंजॉय कर पाएं। सीटाडेल कंपनी के चीफ़ एक्ज़ेकेटिव ऑफिसर केन ग्रिफ़िन ने अपने 1200 कर्मचारियों को सपरिवार तीन दिन के ट्रिप पर डिज़नीलेंड भेजने का प्रपोज़ल रखा है। इन कर्मचारियों में हॉन्गकॉन्ग, सिंगापुर, सिडनी, शंघाई, टोक्यो और अपने देश में गुरुग्राम के कर्मचारी भी शामिल होंगे। 3 दिनों की ट्रिप के दौरान कंपनी के कर्मचारियों को फ्लाइट, होटल और खाने की भी व्यवस्था की जाएगी। जिन लोगों के छोटे बच्चे हैं, उनके लिए कंपनी चाइल्डकेयर का भी अरेंजमेंट करेगी। और तो और उन्हें प्राइवेट डीजे भी मिलेगा। इस प्रपोज़ल के बाद सिटाडेल के कर्मचारी तो खुश हैं लेकिन दूसरी कंपनियों में जॉब करने वाले एम्प्लॉयीज़ को थोड़ा बुरा ज़रूर लग रहा है।आपको जानकर हैरानी होगी कि केन ग्रिफ़िन जैसे तमाम और बॉस भी हैं, जो इतना तो नहीं लेकिन थोड़ी सुविधाएं तो अपने कर्मचारियों को देते ही हैं। अमेरिका में स्पानक्स नाम की अंडरगार्मेंट की कंपनी चलाने वाली सारा ब्लेकली ने भी अपने कर्मचारियों को बोनस के तौर पर भारतीय मुद्रा में करीब 8 लाख रुपये दो फर्स्ट क्लास के प्लेन टिकट दिए थे, जिससे वो कहीं भी घूम सकते थे। बता दें कि अक्सर आपने लोगों को ये कहते हुए सुना होगा कि प्राइवेट नौकरी किसी टॉर्चर से कम नहीं होती। खासतौर पर कॉर्पोरेट जॉब में अगर वक्त पर टार्गेट पूरा नहीं हुआ तो आपको छुट्टियों में भी काम करना पड़ता है। आमतौर पर प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों को छुट्टियां नहीं मिल पाती हैं। उन्हें तीज-त्योहार पर भी कई बार ऑफिस जाना पड़ जाता है।

सार्स सीओवी-2 कर सकता है सेंट्रल नर्वस सिस्टम को संक्रमित

लंदन । कोविड-19 के पीछे के वायरस सार्स सीओवी-2 के विभिन्न वेरिएंट में सेंट्रल नर्वस सिस्टम को संक्रमित करने की क्षमता होती है। शोधकर्ताओं ने पहली बार पाया है कि सार्स सीओवी-2 इन विट्रो में मानव न्यूरॉन्स को संक्रमित करने और एक्सोन में स्थानांतरित होने में सक्षम है। एक्सोन नरवस जानकारी रखने वाला तंत्र होता है। फ्रांस में इंस्टीट्यूट पाश्चर और यूनिवर्सिटी पेरिस साइट के शोधकर्ताओं ने अध्ययन में दिखाया कि वायरस का मूल तनाव सबसे पहले वुहान में पाया गया और गामा, डेल्टा और ओमीक्रॉन/बीए.1 वेरिएंट केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इस अवधि के दौरान वहां रह सकते हैं। शोधकर्ताओं ने देखा कि ये सभी प्रकार सेंट्रल नर्वस सिस्टम में फैलते हैं और ओलफैक्टरी बल्ब को संक्रमित करते हैं। इंस्टीट्यूट पाश्चर के लिसावायरस, महामारी विज्ञान और न्यूरोपैथोलॉजी यूनिट में शोधकर्ता गुइलहर्मे डायस डी मेलो ने कहा, इस अध्ययन में, हमने दिखाया कि ओलफैक्टरी बल्ब का संक्रमण सभी प्रकारों में आम है और यह किसी विशेष प्रकार से जुड़ा नहीं है, न ही एनोस्मिया (गंध की हानि) जैसी किसी विशेष नैदानिक अभिव्यक्ति से जुड़ा हुआ है।इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने पैतृक (वुहान) वायरस में एनोस्मिया से जुड़े एक आनुवंशिक अनुक्रम की पहचान की। शोधकर्ताओं ने फिर देखा कि सार्स सीओवी-2 ओलफैक्टरी बल्ब तक कैसे पहुंचा और देखा कि न्यूरॉन्स इसको रास्ता देता है। इन विट्रो माइक्रोफ्लुइडिक सेल कल्चर सिस्टम ने शोधकर्ताओं को एक विशेष तरीके से व्यवस्थित मानव न्यूरॉन्स का निरीक्षण करने में सक्षम बनाया।डायस डी मेलो ने कहा, इससे पता चलता है कि एनोस्मिया और न्यूरोनल संक्रमण दो असंबंधित घटनाएं हैं। अगर हम तर्क को देखें तो यह काफी संभव है कि संक्रमण की विशेषता है कि यह तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है।

यरूशलम के सफरा स्क्वायर में बंधक बनाए गए लोगों की याद में लगाए गए 239 खाली बिस्तर

तेल अवीव । हमास हमले के केंद्र में रहे किबुत्ज नीर ओज के सदस्यों ने यरूशलम के सफरा स्क्वायर में 239 खाली बिस्तर लगाए हैं, जो वर्तमान में गाजा पट्टी में हमास की ओर से बंदी बनाए गए इजरायली बंधकों की संख्या को दिखाते हैं। सफरा स्क्वायर में अलग-अलग आकार के बिस्तर लगाए गए हैं, साथ ही उन पर पर्सनल सामान भी रखे गए हैं, ताकि उन लोगों की अनुपस्थिति महसूस की जा सके जिन्हें हमास ने इजरायल पर हमले के बाद से अपहरण कर लिया है। परिवार फोरम मुख्यालय ने कहा, परिवारों ने मांग की है कि इजरायली सरकार सभी बंधकों, लापता सैनिकों और नागरिकों को वापस लाने के लिए तत्काल कार्रवाई करे। उन्हें हमास में बंदी बनाना मानवता के खिलाफ अपराध है। किबुत्ज निर ओज़ का एक चौथाई हिस्सा उनके पास नहीं है, क्योंकि 80 किबुत्ज सदस्यों की हत्या या अपहरण कर लिया गया है। हमले में जीवित बचे लोग और लापता लोगों तथा बंधकों के परिवार प्रदर्शनी में आए और खाली बिस्तरों के पास कुछ क्षण का मौन रखा। यह प्रदर्शनी कलाकार एरन वेबर और रणनीतिकार वेरेड हुरी के बीच एक कोलैबोरेशन था।

चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और तजाकिस्तान के राष्ट्रपति कैसम जोमार्ट दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए।

शेख हसीना की बेटी को बनाया डब्ल्यूएचओ का क्षेत्रीय निदेशक

ढाका । बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना की बेटी को डब्ल्यूएचओ का क्षेत्रीय निदेशक बना दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की निदेशक के रूप में साइमा वाजेद का चुनाव सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति उनके जुनून को मिली मान्यता और उनके नेतृत्व कौशल में विश्वास को दर्शाता है। इस मामले में डब्ल्यूएचओ ने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी साइमा को संगठन का दक्षिण-पूर्व एशिया निदेशक चुना गया है। साइमा का चार साल का कार्यकाल 2024 में शुरू होगा। डब्ल्यूएचओ के बयान में यह भी कहा गया है कि सदस्य देशों ने दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय समिति के 76वें सत्र में बैठक के दौरान साइमा वाजेद का चुनाव किया है। गौरतलब है कि 50 वर्षीय साइमा ने इस पद के लिए हुए चुनाव में नेपाल के उम्मीदवार डॉ. शंभू प्रसाद आचार्य को हराया। इस संबंध में साइमा ने 'एक्स' पर लिखा कि मुझे डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की अगली निदेशक चुना गया है, इसके लिए सदस्य देशों का आभार व्यक्त करती हूं। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नवनियुक्त क्षेत्रीय निदेशक एक फरवरी, 2024 को पदभार ग्रहण करेंगी। साइमा 2024 से 2028 तक इस पद पर रहेंगी। मंत्रालय ने कहा कि यह चुनाव सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में साइमा के जुनून को मिली मान्यता और उनके नेतृत्व कौशल के प्रति विश्वास व भरोसे को भी सामने लाता है।

बॉर्डर पर डटे इजरायली सैनिकों ने गाजा शहर को घेरा

-हमास ने कहा- अंतिम सांस तक लड़ेंगे, शरणार्थी शिविर पर हमले में 195 लोग मारे गए

गाजा (एजेंसी)। इजरायली सैनिकों ने गाजा शहर को बुरी तरह से घेर लिया है। यह सैनिक बॉर्डर पर डटे हुए हैं। उधर हमास ने कहा है कि उनके लड़ाके अंतिम सांस तक इजराइल से लोहा लेंगे। बता दें कि बुधवार को गाजा में हमास के खिलाफ अपना आक्रमण जारी रखा। इस दौरान वे फिलिस्तीनी एन्क्लेव के मुख्य शहर में गहराई तक चले गए। वहीं दूसरी ओर गाजा को नियंत्रित करने वाले समूह हमास ने कहा कि क्षेत्र के सबसे बड़े शरणार्थी शिविर पर इजरायली हमलों में 195 फिलिस्तीनी मारे गए। इज़रायली सेना ने कहा कि उसने हमास की रक्षा की अग्रिम पंक्ति को तोड़ दिया और घोषणा की कि उन्होंने आतंकवादी समूह के टैंक रोधी मिसाइल समूह के एक कमांडर को मार डाला है। गाजा में हमास द्वारा संचालित कार्यालय ने दावा किया है कि मंगलवार और बुधवार को गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजरायल द्वारा बमबारी के बाद कम से कम 195 फिलिस्तीनी मारे गए। इज़राइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि गाजा में जमीनी अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है।

आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरजी हलेवी ने स्वीकार किया कि हमास के खिलाफ युद्ध एक भारी और दर्दनाक कीमत थी, लेकिन उन्होंने कहा कि यह आवश्यक था। यह एक लंबा युद्ध होगा और इज़रायली सैनिकों ने कहा कि यह लड़ाई के उन्नत चरण में है। इस दौरान हलेवी ने कहा हम एक युद्ध के बीच में हैं। यह एक लंबा युद्ध होगा और हम इसे अंत तक लड़ेंगे। हम सक्रिय हैं और अपने क्षेत्र में दुश्मन से लड़ रहे हैं, उन्हें उन्हीं स्थानों पर मार रहे हैं जहां उन्होंने अपनी योजनाओं पर काम किया था और उन्हीं इलाकों में दुष्ट आतंकवादी आए थे। ईरान समर्थित यमन के हौथी विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने इज़राइल की ओर कई ड्रोन लॉन्च किए हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हौथिस, जो इज़राइल-हमास युद्ध में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वे फिलिस्तीनी लोगों के समर्थन में अपने सैन्य अभियान चलाएंगे। हालांकि आईडीएफ ने हौथिस द्वारा ऐसे किसी ड्रोन हमले की पुष्टि नहीं की है। गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि जबालिया में दूसरे इजरायली हमले में दर्जनों लोग मारे गए और कई लोग घायल हो गए। बता दें कि जबालिया वह स्थान है जहां शरणार्थी शिविर पर इज़राइल द्वारा बमबारी की गई थी, जिसमें कहा गया था कि इस दौरान ऑपरेशन में हमास के कई आतंकवादी मारे गए थे। हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की जा सकी और न ही आतंकवादी समूह के दावों की पुष्टि की गई। मंगलवार और बुधवार को शरणार्थी शिविर पर इज़राइल द्वारा बमबारी में 50 से अधिक फिलिस्तीनी और 150 अन्य घायल हो गए।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने फिलिस्तीनियों और अमेरिकी नागरिकों सहित विदेशी नागरिकों को गाजा से भागने और राफा क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्र में प्रवेश करने में मदद करने के लिए मिस्र और कतर सरकारों को धन्यवाद दिया। बाइडेन ने नॉर्थफील्ड, मिनेसोटा की यात्रा के दौरान कहा कि मैंने व्यक्तिगत रूप से इज़राइल के प्रधान मंत्री नेतन्याहू और मिस्र के राष्ट्रपति सिसी और अन्य लोगों के साथ बात करने में बहुत समय बिताया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम लोगों के बाहर निकलने के लिए इस पहुंच को खोल सकें। उन्होंने कहा कि मैं अपने सहयोगियों, विशेष रूप से कतर को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इन नागरिकों के प्रस्थान को सुविधाजनक बनाने के लिए बातचीत का समर्थन करने के लिए हमारे साथ मिलकर काम किया।

फलस्तीनियों को गाजा से जबरन विस्थापित न किया जाए : बाइडेन

अम्मान (एजेंसी)। जार्डन के नेता शाह अब्दुल्ला द्वितीय से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि फलस्तीनियों को गाजा से जबरन विस्थापित न किया जाए। इस दौरान दोनों नेताओं ने वहां के ताजा घटनाक्रमों पर चर्चा करने के अलावा, गाजा के लोगों को जीवन रक्षक मानवीय सहायता देने पर भी बात की। यहां गौरतलब है कि इस्राइल-हमास युद्ध को अब तक तीन सप्ताह से अधिक समय हो गया है। यहां पर साढ़े नौ हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान इस बात पर भी सहमति जताई कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि फलस्तीनियों को परेशानी से बचाया जाना चाहिए। व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति जोसेफ आर बाइडन ने आज जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय से बात की। नेताओं ने गाजा के ताजा घटनाक्रम और गाजा में नागरिकों को जीवन रक्षक मानवीय सहायता पहुंचाने और आवश्यक सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता पर चर्चा की।

इधर इस्राइल अपने नागरिकों का बचाव कर रहा है और आतंकवादियों से लड़ रहा है। ऐसे में राष्ट्रपति बाइडन ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून को बनाए रखने और नागरिक जीवन को संरक्षित करने के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान दोनों नेता इस बात पर भी सहमत हुए कि यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि फलस्तीनियों को गाजा के बाहर जबरन विस्थापित नहीं किया जाए। वहीं नेताओं ने हिंसा को रोकने बयानबाजी को शांत करने और क्षेत्रीय तनाव को कम करने पर चर्चा की।

चीन बढ़ा रहा था नजदीकियां, अब भारत ने सीधा 8 दिनों के लिए भूटान नरेश को दिल्ली बुला लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक 3-10 नवंबर के दौरान भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इन रिपोर्टों की पृष्ठभूमि में कि चीन और भूटान अपनी विवादित सीमा को हल करने के लिए एक समझौते की ओर बढ़ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वांगचुक के साथ भूटान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी यात्रा पर आएंगे। यात्रा के दौरान राजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। राजा भूटान की सीमा से लगे असम राज्य और महाराष्ट्र का भी दौरा करेंगे।

बयान में कहा गया है कि भारत और भूटान के बीच मित्रता और सहयोग के अनूठे संबंध हैं, जिनकी विशेषता समझ और आपसी विश्वास है। यह यात्रा दोनों पक्षों के लिए द्विपक्षीय सहयोग के दायरे की समीक्षा करने और ÷विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने÷ का अवसर होगी। यह यात्रा चीन और भूटान द्वारा बीजिंग में 25वें दौर की सीमा वार्ता आयोजित करने और ÷भूटान-चीन सीमा के परिसीमन और सीमांकन पर संयुक्त तकनीकी टीम (जेटीटी) की जिम्मेदारियों और कार्यों÷ पर एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ हफ्तों बाद हो रही है।

दोनों देशों ने 2016 में सीमा वार्ता का आखिरी दौर आयोजित किया था और नया समझौता सीमा मुद्दे को हल करने के लिए 2021 में अंतिम रूप दिए गए तीन-चरणीय रोडमैप पर आधारित है। सीमा के परिसीमन पर पहली तकनीकी वार्ता अगस्त में हुई थी, और विशेषज्ञों का मानना ??है कि यह एक संकेत था कि भूटान और चीन अपनी विवादित सीमा के संभावित सरेखण पर सहमत हुए हैं। भूटान के विदेश मंत्री टांडी दोरजी ने उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग के साथ सीमा वार्ता के बाद बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। इस वार्ता के दौरान सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए और दोनों पक्षों ने कहा है कि वे जल्द ही सीमा समझौता चाहते हैं।

जलवायु परिवर्तन को लेकर संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट, रिकॉर्ड तोड़ने वाले तापमान और अन्य प्रभाव पर क्या कहा

जेरूसलम (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि रिकॉर्ड तोड़ने वाले तापमान और दुनिया के कई हिस्सों पर गंभीर जलवायु प्रभाव के बावजूद, उपलब्ध अनुकूलन वित्त कहीं भी जरूरत के करीब नहीं है। अनुकूलन वित्त अंतर बढ़ रहा है और अब प्रति वर्ष 194 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 366 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच है, जो संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का अंडरफाइनेंस्ड है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुकूलन वित्त की जरूरतें मौजूदा अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक अनुकूलन वित्त प्रवाह से 10-18 गुना अधिक हैं। यूएनईपी ने अनुमान लगाया है कि विकासशील देशों के लिए अनुमानित अनुकूलन लागत और ज़रूरतें भी पिछले अनुमानों की तुलना में काफी अधिक हैं, इस दशक में प्रति वर्ष 215 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 387 बिलियन अमेरिकी डॉलर की केंद्रीय सीमा है।

अनुकूलन वास्तविक या अपेक्षित जलवायु और उसके प्रभावों के साथ समायोजन की प्रक्रिया है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल के अनुसार, मानव प्रणालियों में अनुकूलन का उद्देश्य नुकसान को कम करना या उससे बचना या लाभकारी अवसरों का फायदा उठाना है। बढ़ते जलवायु जोखिमों के कारण 2050 तक इन अनुकूलन लागतों में उल्लेखनीय वृद्धि होने का अनुमान है। रिपोर्ट में घरेलू अनुकूलन प्राथमिकताओं को लागू करने के लिए आवश्यक अनुकूलन वित्त का भी आकलन किया गया है। इस दशक के दौरान ये प्रति वर्ष 387 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। प्रति वर्ष 215 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 387 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुमानित नई सीमा सभी विकासशील देशों के संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.6प्र. से 1प्र. के बराबर है।

इसके विपरीत, विकासशील देशों में अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक जलवायु वित्त प्रवाह 2018 और 2020 के बीच बढ़कर 25.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने के बाद 2021 में 15प्र. कम होकर 21.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। हालांकि इसी अवधि में शमन वित्त में लगातार वृद्धि हुई है। पिछले पांच वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक अनुकूलन वित्त को भी 98प्र. के समग्र विकास वित्त संवितरण अनुपात की तुलना में 66प्र. के कम संवितरण अनुपात का सामना करना पड़ा है।

भारत ने आर्मीनिया को दिया पिनाका रॉकेट सिस्टम, डरे पाकिस्तानी सेना प्रमुख पहुंचे अजरबैजान

बाकू (एजेंसी)। भारत और आर्मीनिया के बीच बढ़ती दोस्ती से पाकिस्तान और अजरबैजान को परेशान कर रही हैं। भारत के आर्मीनिया को पिनाका रॉकेट सहित घातक हथियारों की सप्लाई करने के बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ अचानक से अजरबैजान के दौरे पर पहुंचे हैं। पाकिस्तानी आर्मी प्रमुख ने अजरबैजान के साथ सैन्य और रक्षा संबंध को बढ़ाने का ऐलान किया है। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि जनरल मुनीर की यह यात्रा पाकिस्तान और अजरबैजान के बीच रणनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इस यात्रा के दौरान जनरल असीम मुनीर ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव, रक्षा मंत्री और सेना प्रमुखों से मुलाकात की है। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा और ट्रेनिंग के क्षेत्र में सहयोग और ज्यादा बढ़ाने पर चर्चा हुई है। पाकिस्तान ने नगर्नो कराबाख की जंग के दौरान अजरबैजान की हथियारों से खुलकर मदद की थी। पाकिस्तानी सेना रॉकेट और कई अन्य घातक हथियार अजरबैजान को देती है।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने अजरबैजान के सैनिकों से भी मुलाकात कर उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि अजरबैजान ने सेना के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है और पाकिस्तान आगे भी समर्थन देता रहेगा। पाकिस्तान और अजरबैजान ने कहा कि वे क्षेत्र में स्थिरता चाहते हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने दौरा उस समय पर किया है जब भारत ने आर्मीनिया को पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लांचर की सप्लाई की है। भारतीय पिनाका सिस्टम की पहली खेप गत 5 अक्टूबर को आर्मीनिया के लिए रवाना हुई थी।

भारत ने खुलकर देश का नाम नहीं बताया था लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि यह आर्मीनिया को सप्लाई किया गया है। पिछले साल आर्मीनिया ने भारत के डीआरडीओ को पिनाका रॉकेट सिस्?टम खरीदने के लिए ऑर्डर दिया था। यह पूरी डील 2000 करोड़ रुपये की हुई थी। पिनाका एमके-1 ईआर रॉकेट सिस्टम 45 किमी दूरी तक अपने लक्ष्य का शिकार कर सकती है। वहीं पिनाका एमके-2 रॉकेट सिस्टम 75 किमी दूरी तक मार करने में सक्षम है।

भारत और अब पिनाका का एमके-2 ईआर वर्जन बना रहा है जो 120 किमी तक तबाही मचा सकेगी। खबरों के मुताबिक भारत का पिनाका सिस्टम ईरान के रास्ते आर्मीनिया पहुंचा है। भारत के इस रॉकेट देने से अजरबैजान बुरी तरह से भड़क उठा था। अजरबैजान ने भारत से अनुरोध किया था कि वह घातक हथियार आर्मीनिया को नहीं दे। आर्मीनिया ने अब भारत की एक कंपनी 155 एमएम की तोपों के लिए भी बड़ा सौदा किया है।

तमिलनाडु में दो दलित युवकों से मारपीट कर उन पर पेशाब की

चेन्नई । तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में दो दलित युवकों को निर्वस्त्र कर उन पर पेशाब करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने दोनों युवकों से पहले उनकी जाति पूछी, फिर मारपीट कर घायल कर पेशाब की। पुलिस ने बताया कि घटना 30 अक्टूबर की है। आरोपियों ने मारपीट के बाद घायल युवकों को रात तक बंधक बनाकर रखा। फिर दोनों से लूटपाट की और आरोपी भाग गए। पीड़ित युवकों की पहचान मनोज और मरियप्पन के रूप में की गई है। दोनों मणिमूर्तिश्वरम के रहने वाले हैं। पुलिस ने मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी पलायमकोट्टई के रहने वाले हैं। आरोपियों की पहचान पोन्नुमनी (25), नल्लामुथु (21), आयिरम (19), रामर (22), शिवा (22) और लक्ष्मणन (22) के रूप में की गई है। पीड़ित युवकों ने पुलिस को बताया कि घटना के दिन दोनों दोस्त नदी में नहाने के लिए थमिराबरानी गए थे। वापस लौटने के दौरान आरोपियों ने उन्हें रोक लिया। सभी नदी के किनारे बैठकर शराब पी रहे थे। आरोपियों ने उनकी जाति पूछी। जब पीड़ित युवकों ने बताया कि वे अनुसूचित जाति से हैं, तब आरोपियों ने दोनों को पकड़कर बेरहमी से पीटा इतना ही नहीं नशे में धुत आरोपियों ने दलित युवकों के कपड़े फाड़ कर उन पर पेशाब किया। पीड़ितों के मुताबिक, आरोपियों ने उन्हें रात तक बंधन बना कर रखा। फिर 5000 रुपए, दो मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड छीन कर वहीं छोड़कर भाग गए। घायल हालत में दोनों युवक पास के एक रिश्तेदार के घर गए और अपने माता-पिता से संपर्क किया। इसके बाद दोनों को तिरुनेलवेली मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया।

लालू-राबड़ी को झटका, कोर्ट ने कहा विदेश जाने से पहले हमारी इजाजत लें

नई दिल्ली । लैंड फॉर जॉब्स मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोपियों को पासपोर्ट जमा करने के लिए कह गया है। आरोपियों को विदेश जाने से पहले राउज एवेन्यू कोर्ट से इजाजत लेनी होगी। लालू, राबड़ी, तेजस्वी भी केस में आरोपी हैं। आरोपियों ने कोर्ट से चार्जशीट की स्क्रूटनी के लिए समय की मांग की। मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 नवंबर को होगी। इसके पहले 16 अक्टूबर को सुनवाई हुई थी। तब राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू परिवार को बड़ी राहत दी थी। कोर्ट की तरफ से उन्हें हर सुनवाई में पेशी से छूट दी थी। साथ ही कोर्ट ने डिप्टी सीएम तेजस्वी को भी सरकारी दौरे पर विदेश जाने की अनुमति दे दी थी। वहीं, 50 हजार के निजी मुचलके पर कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को इस मामले में पहले ही जमानत दे दी है।

आईफोन हैकिंग : एप्पल को नोटिस भेजकर मोदी सरकार ने मांगा जबाव

नई दिल्ली ।आईफोन हैकिंग मामले में केंद्र अब एपल से जवाब मांग रही है। आईटी मंत्रालय ने एपल से पूछा है कि आप कैसे इस नतीजे पर पहुंच सकते हैं कि आईफोन हैकिंग राज्य प्रायोजित है। मोदी सरकार ने आईफोन निर्माता कंपनी से इस हैकिंग को लेकर सबूत की मांग भी की है। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने गुरुवार को एपल को एक नोटिस भेजा है। नोटिस के साथ ही मंत्रालय ने कंपनी से आईफोन अटैक को लेकर सबूत मांगे हैं। आईटी मंत्रालय ने एपल से इस मामले में तुरंत जवाब देने को कहा है। वहीं आईफोन हैकिंग मामले पर अब सीईआरटी-इन ने भी अपनी जांच शुरू कर दी है। आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कंपनी मामले में सीईआरटी-इन की जांच में सहयोग करेगी। दरअसल, मंगलवार को विपक्षी पार्टियों के कुछ लोगों को एपल की ओर से उनके आईफोन हैक होने का अलर्ट भेजा गया था। इस अलर्ट में कंपनी की ओर से आईफोन यूजर को जानकारी दी गई थी कि उनके डिवाइस को हैक किए जाने की कोशिश की जा रही है। इतना ही नहीं, एपल के इस अलर्ट में यह हैकिंग अटैक राज्य प्रायोजित होना भी बताया गया। एपल ने अपने कुछ आईफोन यूजर्स को इस तरह का अलर्ट भेज उनके डेटा को चुराने की बात अलर्ट में कही थी। हालांकि, मंगलवार को ही एपल का इस मामले पर जवाब सामने आया था।

डेटिंग एप पर दोस्ती...फिर लव, सेक्स और ब्लैकमेलिंग

पणजी । डेटिंग एप पर दोस्ती और फिर लव, सेक्स और धोखा वाले गिरोह का गोवा पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गिरोह गुजरात से गोवा आने वाले कारोबारियों को निशाना बनता था। कारोबारियों को टारगेट करके लड़कियां डेटिंग एप पर दोस्ती करती थीं और फिर उन्हें डेटिंग पर बुलाया जाता था। किसी होटल में कारोबारी के खर्चे पर ही लड़की ठहरती और सेक्स भी होता था। इसके बाद ब्लैकमेलिंग की कहानी शुरु होती थी। गोवा में गुजरात के कई कारोबारी जब लगातार फंसे तब पुलिस को शक हुआ और जब जांच की तब गोरखधंधा सामने आया। इस मामले में गोवा पुलिस ने अब कई लोगों को अरेस्ट किया है। दरअसल सेक्सटॉर्शन का यह इंटर-स्टेट रैकेट काफी दिनों से चल रहा था। इसके तहत खुद को ब्यूटीशियन बताकर महिलाएं कारोबारियों से डेटिंग एप पर दोस्ती करती थीं। फिर कारोबारियों से किसी होटल में मुलाकात करके संबंध बनाती थीं और फिर ब्लैकमेल करके लाखों रुपये की वसूली की जाती थी। पुलिस की शुरुआती जांच में कम से कम 15 महिलाओं का पता चला है। इसमें एक वकील भी शामिल है। ये लोग गुजरात की जेल में हत्या के आरोप में जेल में बंद एक महिला के निर्देश में काम कर रहे थे। जांच में पुलिस को पता चला कि इस गैंग ने गोवा में रेप के गलत आरोपों के आधार पर तीन केस दर्ज कराए थे। पीड़ित कारोबारियों पर रेप के केस तब कराए गए, जब उनसे संबंध बनाने के बाद ब्लैकमेलिंग की गई और उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया। पुलिस ने कहा कि हमें तब संदेह हुआ, जब गुजरात की कुछ महिलाओं ने एक जैसी ही शिकायतें कई बार दर्ज कराईं। सभी मामलों में आरोप लगाया कि उनके साथ रेप हुआ है, लेकिन जांच में बात गलत निकली। इसतरह के एक मामले में 22 अगस्त को एक ब्यूटीशियन, उसकी कजिन और ड्राइवर उत्तरी गोवा के एक पुलिस थाने पहुंचे थे। महिला ने आरोप लगाया कि गुजरात के एक कारोबारी ने उत्तरी गोवा के एक होटल में उसका रेप किया गया। फिर उसी दिन महिला ने कारोबारी से 2 लाख रुपये में थाने के बाहर ही समझौता कर लिया। दो दिन बाद यही लोग एक अन्य पुलिस थाने में शिकायत करने पहुंचे। इस बार महिला की कजिन ने पीड़िता होने का दावा किया। वहीं ब्यूटीशियन ने खुद को उसका दोस्त बताया। महिला ने आरोप लगाया था कि गुजरात के एक ठेकेदार से उसकी मुलाकात गोवा आ रही फ्लाइट में हुई थी और कारोबारी ने उस रिसॉर्ट में ले जाकर रेप किया। इस मामले में पुलिस ने कॉन्ट्रैक्टर को अरेस्ट भी कर लिया, लेकिन ऐसा ही एक मामला कुछ ही दिन में फिर आया और आरोपी गुजरात का ही एक अन्य कारोबारी निकला।

ऑस्ट्रेलियाई नेता पीटर डटन ने जताई चीन की आक्रामकता पर चिंता

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया में प्रतिपक्ष के नेता पीटर डटन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यहां की आशांति का बढ़ता स्तर चिंता का विषय है। भारत की यात्रा पर आए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व रक्षा मंत्री डटन ने संवाददाताओं से कहा कि हम सभी हिंद-प्रशांत में निरंतर शांति की इच्छा रखते हैं। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि व्यापारिक संबंध समृद्ध के लिए जारी रहें, लेकिन ऑस्ट्रेलिया को कभी भी अपने मूल्यों को नहीं छोड़ना चाहिए या जिसे हम सही और न्यायसंगत मानते हैं उस पर बहस करने से पीछे नहीं हटना चाहिए। डटन ने चीन से सटी सीमा पर भारत के अनुभव के साथ ही दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन के अनुभव का भी उल्लेख किया। यहां गौरतलब है कि भारत और चीन के सैनिक पूर्वी लद्दाख में कुछ बिंदुओं पर तीन साल से अधिक समय से आमने सामने हैं, जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पूरी की है। इस मामले में भारत का कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में शांति बहाली के लिए चीन के साथ उसके संबंध सामान्य होने चाहिए। हालांकि खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद के बारे में पूछे जाने पर डटन ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की अगले सप्ताह चीन यात्रा पर, डटन ने कहा कि अल्बनीज ने स्पष्ट किया है कि उनके पास अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति शी चिनफिंग को देने के लिए कुछ कड़े संदेश हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया का विपक्ष उन संदेशों को पहुंचाने में अल्बनीज़ का समर्थन करेगा। गौरतलब है ?कि डटन चार दिवसीय आर्थिक व्यापार प्रतिनिधिमंडल शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 20 शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई उद्योगपतियों के साथ भारत की यात्रा पर हैं। आयोजकों के अनुसार, शिखर सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षा, अंतरिक्ष, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल, वित्तीय प्रौद्योगिकी, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास और उत्पादकता को बढ़ावा देना शामिल है।

इंडिया गठबंधन के टॉप लीडर्स को जेल में डालने की तैयारी

-आप के लीडर राघव चड्ढा ने नामों को गिनाकर बीजेपी पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि हमें शीर्ष सूत्रों से जानकारी मिली है कि इं?डिया गठबंधन के टॉप लीडर्स को अरेस्ट करने की योजना बनाई गई है। इसी योजना के तहत उन्होंने अरविंद केजरीवाल को समन भेजा है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब घोटाले मामले में 2 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। इसके बाद आप लगातार बीजेपी पर हमलावर है। आप सांसद ने कहा कि बीजेपी अरविंद केजरीवाल को जेल में डालकर दिल्ली की 7 सीटें अपनी जेब में रखना चाहती है। ?चिंता जताई गई है ?कि अब अगला नंबर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का होगा। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के बाद बिहार में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को भी जल्दी ही अरेस्ट किया जाएगा। राघव ने कहा कि ये सिलसिला यहीं नहीं थमेगा क्योंकि इसके बाद पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की गिरफ्तारी भी होगी। फिर केरल में मुख्यमंत्री पिनरई को अरेस्ट होंगे। इसके बाद तमिलनाडु में स्टालिन, महाराष्ट्र

में उद्धव ठाकरे और शरद पवार के दल के नेताओं की गिरफ्तारी होगी।

राघव चड्ढा ने कहा कि इन राज्यों में टॉप नेताओं की गिरफ्तारी कर बीजेपी लोकसभा की सीटें जीतना चाहती है। यही वजह है कि सीएम अरविंद केजरीवाल को नोटिस मिला है। आगे का प्लान जल्द ही सामने आएगा। उन्होंने कहा कि अगर राजनीतिक दलों और विपक्षी नेताओं को इस तरह से गिरफ्तार किया गया तो इससे लोकतंत्र की नींव हिल जाएगी। बीजेपी को हार का डर सता रहा है। बीजेपी अगर रेस में अकेली दौड़ेगी तो स्वभाविक रूप से वह चुनाव जीत जाएगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन के टॉप लीडर्स को जेल में डालकर बीजेपी इसी तरह से राज्यों में लोकसभा की सीटें जीतना चाहती है। उन्होंने कहा कि अगर इं?डिया गठबंधन का एक भी प्रत्याशी चुनाव लड़ता है तो बीजेपी की सीटें कम होती हैं। ऐसे में बीजेपी को हार का डर सताने लगता है। इसलिए बीजेपी विपक्षी गठबंधन के टॉप लीडर्स को जेल में डाल रही है। क्योंकि कोई नेता जेल में होगा तो वह चुनाव नहीं लड़ पाएगा और कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटता रह जाएगा।

आप सांसद ने कहा कि बीजेपी की अगली नजर 14 लोकसभा सीटों वाले राज्य झारखंड पर है। क्योंकि बीजेपी की इन सभी सीटों पर हालत खराब है। ऐसे में वह हेमंत सोरेन को भी अरेस्ट करेंगे। राघव चड्ढा ने कहा कि 2014 के बाद से केंद्रीय एजेंसियों द्वारा दर्ज किए गए 95 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ दर्ज हैं। विपक्षी नेताओं के खिलाफ दायर ?किए गए ये मामले पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा हुए हैं। चुनाव से पहले बीजेपी उनका शोषण कर रही है। अगर इन नेताओं ने आत्मसमर्पण नहीं किया, तो उन्हें चुनाव के आसपास ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भाजपा इंडिया गठबंधन से डरी हुई है : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रमुक अध्यक्ष एम.के.स्टालिन ने विपक्षी दल के नेताओं के फोन कथित तौर पर हैक करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि इससे पता चलता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इंडिया गठबंधन से डरी हुई है और उसे आगामी लोकसभा चुनाव में पराजय का भय सता रहा है। श्री स्टालिन ने कहा कि इस तरह के जघन्य कृत्यों में भागीदार होने के बाद केंद्र द्वारा इसकी जांच के आदेश देने को भी 'हास्यास्पद' करार दिया। तकनीकी दिग्गज एप्पल द्वारा हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कम्युनिस्ट मार्क्सवादी पार्टी

(माकपा) नेता सीताराम येचुरी सहित कई शीर्ष विपक्षी नेताओं को भेजे गए अलर्ट में कहा गया है कि उनके द्वारा उपयोग किए जाने वाले कंपनी के डिजिटल उपकरणों को 'राज्य-प्रायोजित' द्वारा लक्षित किया जा सकता है। हमलावरों का बयान इस बात का संकेत था कि भाजपा विपक्षी इंडिया गठबंधन से डरी हुई है। उन्होंने कहा कि अब यह सवाल है कि क्या देश में लोकतंत्र की रक्षा और संरक्षण किया जाएगा? उन्होंने विपक्षी दलों या इसका विरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को डराने के लिए प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने के लिए भाजपा की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि फोन भी टेप किए जा रहे हैं।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना को केसीआर परिवार के लिए एटीएम बना दिया: राहुल गांधी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में कालेश्वरम परियोजना में निर्माण कार्य की खराब गुणवत्ता और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच, कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेदिगड्डा (लक्ष्मी) बैराज का दौरा कर कहा कि केसीआर, उनके परिवार ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना का व्यक्तिगत एटीएम के रूप में इस्तेमाल किया। राहुल गांधी, वर्तमान में तेलंगाना में चुनाव प्रचार कर रहे हैं, हैदराबाद से हेलीकॉप्टर द्वारा जयशंकर भूपालपल्ली के अंबातिपल्ली गांव स्थित बैराज पहुंचे।

राज्य कांग्रेस नेताओं के साथ राहुल गांधी उस बैराज के आसपास गए जिसे हाल ही में नुकसान हुआ था। हाल ही में बैराज के कुछ खंभे धंस गए, जिसके बाद केंद्र को जांच के लिए उच्च स्तरीय टीम भेजनी पड़ी। राहुल गांधी ने अपने दौरे के बाद पोस्ट किया, कालेश्वरम परियोजना यानी केसीआर फैमिली एटीएम मैंने मेदिगड्डा बैराज का दौरा किया, जो तेलंगाना में भ्रष्टाचार से ग्रस्त कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना का एक हिस्सा है। उन्होंने लिखा, घटिया निर्माण के कारण कई खंभों में दरारें आ गई हैं और रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि खंभे डूब रहे हैं। राहुल ने आरोप लगाया कि केसीआर और उनका परिवार तेलंगाना के लोगों को लूटने के लिए कालेश्वरम परियोजना को अपने निजी एटीएम के रूप में उपयोग कर रहे हैं।

जर्जर खंभों का निरीक्षण के बाद राहुल गांधी ने बैराज का हवाई सर्वेक्षण किया। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी,

कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क, विधायक श्रीधर बाबू और अन्य नेता राहुल गांधी के साथ थे। बैराज का दौरा करने से पहले, शीर्ष कांग्रेस नेता ने अंबातिपल्ली गांव में महिलाओं की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कालेश्वरम को केसीआर सरकार का सबसे बड़ा घोटाला बताया। उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से इस घोटाले को देखना चाहता था और इसीलिए मैं यहां आया हूं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केसीआर ने परियोजना में तेलंगाना के लोगों से 1 लाख करोड़ रुपये लूटे। उन्होंने दावा किया कि इस परियोजना से लोगों को कोई फायदा नहीं हुआ है। घोटाले को उजागर करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्थापित कालेश्वरम एटीएम की ओर इशारा कर राहुल गांधी ने सुझाव दिया कि इसका नाम बदलकर कालेश्वरम केसीआर एटीएम रखा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना में भ्रष्टाचार के कारण, तेलंगाना के सभी परिवारों को 2040 तक हर साल 31,500 रुपये का भुगतान करना होगा।

यह आरोप लगाकर कहा कि केसीआर और उनके परिवार के भ्रष्टाचार से महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं, उन्होंने वादा किया कि कांग्रेस लोगों को उतना पैसा वापस देगी जितना केसीआर ने लूटा है। कांग्रेस नेता ने महिलाओं को बताया कि राज्य में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस उनके लिए क्या करेगी। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना के तहत प्रत्येक महिला को 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता मिलेगी। रसोई गैस सिलेंडर सिर्फ 500 रुपये में मिलेगा जबकि महिलाएं आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि हर महिला को गैस सिलेंडर और बस यात्रा पर बचत सहित हर महीने 4,000 रुपये का लाभ मिलेगा।

दिल्ली की एक्साइज नीति चोरी और सीनाजोरी है, केजरीवाल-मान पर बरसे नवजोत सिद्धू

चण्डीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तलब किया है वहीं पार्टी के कुछ शीर्ष नेता न्यायिक हिरासत में हैं। अपने पटियाला आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, सिद्धू ने कहा कि आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार द्वारा लाई गई उत्पाद शुल्क नीति को इसके कार्यान्वयन के तीन महीने के भीतर वापस लेना पड़ा, जिससे स्पष्ट होता है कि कुछ गड़बड़ है।

पंजाब कांग्रेस के पूर्व चीफ ने कहा कि वे (सत्ता में) यह कहकर आए थे कि वे कॉलेजों, स्कूलों या धार्मिक स्थानों के पास शराब नहीं बेचेंगे। जब दिल्ली में यह (आबकारी) नीति आई, तो यह लगभग 2.5 से 3 महीने तक प्रभावी रही। और इसे 2.5-3 महीने बाद वापस लेना पड़ा। जब किसी कार को वापस बुलाया जाता है, तो यह विनिर्माण दोष के कारण होता है। यदि यह जनहित में था तो इसे वापस क्यों लिया गया? यही नीति पंजाब में लागू की गई है और अभी तक वापस नहीं ली गई

है। सिद्धू ने कथित शराब नीति घोटाले पर आप की प्रतिक्रिया को 'चोरी और सीना ज़ोरी' बताया।

केजरीवाल दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए गुरुवार को ईडी के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने एजेंसी को पत्र लिखकर उन्हें तलब करने वाले नोटिस को वापस लेने की मांग की और दावा किया कि यह अवैध और राजनीति से प्रेरित था। जांच अधिकारी को सीएम के दो पेज के जवाब की जांच ईडी द्वारा की जा रही है। रिपोर्ट से पता चलता है कि एजेंसी नजदीकी तारीख के लिए नए समन जारी कर सकती है।

आदिवासियों की संपत्ति को हड़पने में जुटी भाजपा और आरएसएस : खड़गे

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा और आरएसएस विविधता के खिलाफ हैं, और वे अपने साथियों के कल्याण के लिए आदिवासियों की संपत्ति और कीमती जमीनों और जंगलों को छीनना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि एमएनएफ और जेडपीएम मिजोरम में भाजपा के अनौपचारिक एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने मिजोरम में शांति लाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान को याद कर कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा राज्य की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध रही है। खड़गे ने कहा, राजीव गांधी 1986 में शांति समझौते के माध्यम से मिजोरम में शांति लाए और 1987 में राज्य का दर्जा हासिल किया। उन्होंने कहा, भाजपा-आरएसएस विविधता के खिलाफ हैं, और वे अपने साथियों के कल्याण के लिए आदिवासियों की संपत्ति वाली कीमती जमीन और जंगलों को छीनना चाहते हैं। खड़गे ने कहा कि मिजोरम के लोग शांति, समृद्धि और प्रगति के पात्र हैं। उन्होंने कहा, हम जो वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं। मिजोरम राज्य के लिए हमारी गारंटी कल्याण, समावेशिता और आर्थिक सुरक्षा लाएगी।

बिखरने लगा इंडिया गठबंधन! सीएम नीतीश कुमार ने कहा- नहीं हो रहा कोई काम, कांग्रेस को तो फुर्सत ही नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पटना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की 'बीजेपी हटाओ, देश बचाओ' रैली में शामिल हुए। सीएम नीतीश ने कहा कि जो लोग हमारे देश के संविधान को बदलने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें रोकने के लिए I.N.D.I.A ब्लॉक का गठन किया गया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमने सभी दलों से बात की, उनसे एकजुट होने और देश को उन लोगों से बचाने का आग्रह किया जो इसके इतिहास को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए पटना और अन्य जगहों पर बैठकें हुईं।

इसके साथ ही नीतीश ने अपनी नाराजगी भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इंडिया एलायंस बना लेकिन कुछ खास नहीं हो रहा। 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की दिलचस्पी उनमें ज्यादा है। उन्होंने पुरानी पार्टी को संदेश देते हुए साफ तौर पर कहा कि हम सब मिलकर कांग्रेस पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे थे लेकिन उन्हें अभी इस सब की चिंता नहीं है। वे अभी 5 राज्यों के चुनाव में व्यस्त हैं। इसलिए 5 राज्यों के चुनाव के बाद वे खुद ही सबको

बुलाएंगे। इस बीच सीपीआई नेता डी राजा ने भी कहा कि हमारे देश की हालत बहुत खराब है और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने देश को बर्बाद कर दिया है।

इंडिया समूह की आखिरी बैठक 31 अगस्त-1 सितंबर को मुंबई में हुई थी, जिसके बाद यह घोषणा की गई कि कांग्रेस अगली तारीखें तय करेगी। अटकलें थीं कि यह दिल्ली में होगा लेकिन कोई घोषणा नहीं की गई। ऐसी भी चर्चा थी कि यह चुनाव वाले मध्य प्रदेश में होगा लेकिन वह भी नहीं हुआ। नीतीश कुमार को व्यापक रूप से इंडिया ब्लॉक के संस्थापक सदस्यों में से एक के रूप में देखा जाता है; वास्तव में, यह बिहार के मुख्यमंत्री ही थे जिन्होंने वरिष्ठ विपक्षी नेताओं को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए एकजुट होने की संभावना के बारे में बताया और अपनी वरिष्ठता का उपयोग करते हुए उनके और कांग्रेस के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य किया।

इंडिया ब्लॉक की पहली बैठक जून में पटना में हुई, जिसमें कुमार को एक बार फिर शांति-निर्माता की भूमिका निभानी पड़ी; ऐसा तब हुआ जब आम आदमी पार्टी ने बैठक का बहिष्कार करने की धमकी दी क्योंकि कांग्रेस ने दिल्ली प्रशासनिक सेवा अध्यादेश के खिलाफ उसके अभियान का समर्थन नहीं किया था। मध्य प्रदेश चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच तकरार के बाद नीतीश कुमार की यह टिप्पणी भी आई है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि उनकी पार्टी छह सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इस समझौते को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा, ÷अगर मुझे पता होता तो हम कांग्रेस से बात नहीं करते।÷

चीन ने फिर बढ़ाया तनाव: ताइवान पर उड़ाए 43 एयरक्राफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।। दूसरें देशों से पंगा लेने की चीन की पुरानी आदत है,एक बार फिर चीन ने ताइवान पर एयरक्रॉफ्ट उड़ाकर विवाद की स्थिति पैदा कर दी है।चीन ने ताइवान के पास 43 सैन्य एयरक्राफ्ट और 7 जहाज भेजे हैं। ताइवान का कहना है कि ड्रैगन उस पर दबाव बनाने के लिए ऐसा कर रहा है, लेकिन वह झुकेगा नहीं। ताइवान का कहना है कि चीन के 37 एयरक्राफ्ट ने ताइवान की खाड़ी की सीमा को पार किया है। वहीं चीन का कहना है कि वह तो इस सीमा को मानता ही नहीं है। दरअसल चीन अकसर दावा करता है कि वन चाइना पॉलिसी के तहत ताइवान उसका ही हिस्सा है। वहीं ताइवान खुद को स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र मानता है।यूक्रेन और रूस के बीच बीते डेढ़ साल से ज्यादा वक्त से युद्ध जारी है। इस बीच इजरायल और हमास में जंग ने भी दुनिया को मुसीबत में डाला है और अब चीन तीसरा मोर्चा खोलने की तैयारी में है। पिछले दिनों अमेरिका और ब्रिटेन के शीर्ष मंत्रियों ने ताइवान का दौरा किया था, जिस पर चीन भड़क गया था। यही नहीं अमेरिकी संसद की स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने जब ताइवान का दौरा किया था तो चीन ने एयरक्राफ्ट भी उड़ाए थे।

चीन अकसर ताइवान की सीमा पर सैन्य अभ्यास करता है, युद्ध विमान उड़ता है। कई बार उसके एयरस्पेस में भी चीनी लड़ाकू विमान घुसते रहे हैं। जानकार मानते हैं कि ताइवान पर दबाव बनाने के लिए वह ऐसा करता रहा है। हाल ही में चीनी सेना के दूसरे नंबर के अधिकारी जनरल झांग योशिया ने कहा था कि यदि कोई भी ताइवान को हमसे अलग करने का प्रयास करता है तो उसे अंजाम भुगतना होगा। माना जा रहा है कि अमेरिका समेत दुनिया के तमाम बड़े देश इन दिनों इजरायल और हमास के युद्ध में व्यस्त हैं। इसके अलावा रूस और यूक्रेन की जंग भी एक चुनौती बनी है। ऐसे में इसी बीच चीन ताइवान पर अपना हक मजबूत करने में जुटा है ताकि अमेरिका जवाब न दे सके।चीन की हरकतों पर फिलहाल ताइवान की पैनी नजर है। उसने भी जेट फाइटर्स को ऐक्टिव कर दिया है। जहाजों को सीमा पर रवाना किया है। इसके अलावा मिसाइल सिस्टम को भी सतर्क किया है ताकि किसी भी उकसावे का जवाब दिया जा सके।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

3 सेकेंड में ढह गई इमारत,दो मंजिला कढ़ाई फैक्ट्री ताश के महल की तरह ढह गई

कतारगाम जीआईडीसी में एम्ब्रोईडरी फेक्ट्री से 6 मजदूरों ने बाहर भागकर जान बचाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कतारगाम जीआईडीसी में दो मंजिला इमारत गिरने से अफरा-तफरी मच गई। बिल्डिंग में चल रही कढ़ाई की दुकान से मजदूर भाग निकले। घटना की खबर मिलते ही अग्निशमन और नगर निगम का बेड़ा मौके पर पहुंच गया। इमारत के ताश के महल की तरह ढहने का वीडियो भी सामने आया है। सौभाग्य से इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

घटना के प्रत्यक्षदर्शी साकीचंद सहानी ने बताया कि पहले तो इमारत का एक छोटा सा हिस्सा गिर रहा था बाद में पूरी इमारत ढह गई। मैं बिल्डिंग के नीचे लॉरी में पूड़ी-सब्जी बना रहा था। इस इमारत में कढ़ाई का कारखाना था। सुबह जब मैं आया तो बिल्डिंग से धीरे-धीरे मलबा गिर रहा था। लेकिन सुबह ७ बजे और मलबा गिरने लगा। इसके बाद सभी कर्मचारी बिल्डिंग से बाहर निकल आए। दो से तीन सेकंड में पूरी बिल्डिंग ढह गई। अंदर ६ लोग थे जो सभी समय रहते बाहर निकल गए। मैं भी बचने के लिए दूसरी तरफ भागा मेरी लॉरी, सामान और मोबाइल सब मलबे में दब गए।

कतारगाम जीआईडीसी एसोसिएशन के सदस्य उमेशभाई ने कहा, यह इमारत ४० साल पुरानी थी। यह कुछ समय से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थी। एक साल पहले जीआईडीसी ने ऐसी इमारतो को मरम्मत कराओं या इस समस्या का निराकरण लाने के लिए सूचित किया था। हालांकि, इस बिल्डिंग के मालिक ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे यह हादसा हो गया। ९ कढ़ाई मशीनें दबकर खराब हो गई हैं। एक करोड़ का नुकसान हुआ है।

बता दें कि अकाउंट मैनेजर ने २ महीने पहले भी मालिक को इसकी जानकारी दी थी। खाता प्रबंधकों को दिवाली के बाद भवन खाली कर मशीन को दूसरी जगह ले जाना था।

कतारगाम जीआईडीसी में खाता संख्या ७३२ में एक बड़ी इमारत स्थित है। इसमें ग्राउंड और दो मंजिल हैं। इस में कढ़ाई के खाते चल रहे हैं। इमारत आज सुबह करीब ८ बजे ढह गई। सुबह कढ़ाई का काम चल रहा था। हालांकि, अंदर मौजूद कारीगर बाहर निकल गए। इसके बाद अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई।

अग्निशमन विभाग को सूचना दिए जाने के बाद कतारगाम और कोसाड फायर स्टेशन का काफिला मौके पर पहुंचा। चूंकि घटना के वक्त इमारत में कोई नहीं था, इसलिए किसी की जान नहीं गयी। अग्निशमन विभाग द्वारा जेसीबी सहित उपकरणों का उपयोग कर मलबा हटाने का कार्य किया जा रहा है। घटना की खबर पाकर सूरत के महापौर दक्षेश मावानी भी मौके पर पहुंचे।

दक्षिण गुजरात के जीआईडीसी से जुड़े मुद्दों पर उद्योगपतियों और जीसीसीआई की चैंबर में बैठक हुई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बैठक में दक्षिण गुजरात के 10 से अधिक जीआईडीसीओं के पदाधिकारियों ने अपने प्रश्न प्रस्तुत किये

दक्षिण गुजरात के उद्योगों के साथ जीआईडीसी के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की एक संयुक्त पहल पर गुरुवार, ०२ नवंबर, २०२३ को सुबह ११:०० बजे समहती, सरसाना, सूरत में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के क्षेत्रीय सचिव प्रशांत पटेल और गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जीआईडीसी समिति के अध्यक्ष अजीत शाह सहित समिति के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष विजय मेवावाला ने स्वागत भाषण दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी समस्याओं को सहयोग से सुलझाकर उद्योग को आगे बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि औद्योगिक समस्याओं को सुलझाने और विकास में गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स की जीआईडीसी समिति का महत्वपूर्ण योगदान है।

गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के क्षेत्रीय सचिव प्रशांत पटेल ने कहा, 'सामान्य तौर पर, जीआईडीसी और उद्योग से संबंधित प्रश्न दो प्रकार के होते हैं। पहला स्थानीय स्तर पर है, जिसे स्थानीय संघों और चैंबरों की मदद से भी संबोधित किया जा सकता है। जबकि दूसरा सवाल सरकार की नीतियों से जुड़ा है जिसे सभी एसोसिएशन और चैंबर्स के सहयोग से हल करना है। इस मौके पर उन्होंने जीआईडीसी से जुड़े मुद्दों को सुलझाने में यथासंभव मदद करने की बात कही।

बैठक में ओटीएस योजना, जीआईडीसी सहित सचिन जीआईडीसी से वसूले जाने वाले मनमाना टैक्स और जीएसटी टैक्स भुगतान पर चर्चा हुई। साथ ही बैठक में जीआईडीसी से संबंधित अधिसूचित की समस्या, अनुपयोगिता की समस्या, दोहरे कर की समस्या, जीएसटी, स्टाम्प ड्यूटी पर चर्चा की गई। इस संबंध में सर्वसम्मति से कहा गया कि सभी एसोसिएशन इस बात पर सहमत हैं कि निकट भविष्य में समस्याओं एवं उनके समाधान को सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। बैठक में कुछ जीआईडीसी को दिए गए भूखंडों के उपयोग और उस संबंध में विस्तार देने के सवाल पर चर्चा की गई, साथ ही राज्य के पहले जीआईडीसी उमरगाम जीआईडीसी के पार्किंग पार्क भूखंड के सवाल पर भी चर्चा हुई। जीआईडीसी के सभी पदाधिकारियों का मानना है कि सभी सरकारी नीतियों का सरलीकरण किया जाना चाहिए। और औद्योगिक बोर्ड में जीआईडीसी उद्योग से जुड़े कम से कम ६ लोग शामिल होने चाहिए।

इस बैठक में दक्षिण गुजरात जीआईडीसीओ से साणंद, नरोडा, सारीगाम, वापी, नवसारी, इच्छापोर, सचिन, भटपोर, कतारगाम, बारडोली और उमरगाम जीआईडीसी के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक का संचालन एवं बैठक की रूपरेखा चैंबर ऑफ कॉमर्स सूरत के मानद मंत्री निखिल मद्रासी ने दी। बैठक का धन्यवाद चैंबर के तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष हिमांशु बोड़ावाला ने किया। चैंबर की मानद कोषाध्यक्ष किरण थुम्मर, ग्रुप चेयरमैन भावेश टेलर, अशोक चोडवाडिया और चैंबर की एसोसिएशन संपर्क समिति के अध्यक्ष दीपकाश अग्रवाल और चैंबर की जीआईडीसी विकास समिति के अध्यक्ष मितुल मेहतानी के साथ दक्षिण गुजरात के विभिन्न जीआईडीसी के पदाधिकारी भी शामिल हुए।

बांग्लादेशी नागरिक का गलत नाम से आधार कार्ड बनाने वाला अहमदाबाद से गिरफ्तार

7 साल पहले बिना भारतीय निवास के प्रमाण के बांग्लादेशी नागरिक का आधार कार्ड बनाया था

क्राईम ब्रान्च ने सात साल बाद आधार कार्ड बनाने वाले को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :सात साल पहले अवैध रूप से भारत में रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक का गलत नाम से भारतीय आधार कार्ड बनाने वाले इसाम को सूरत सिटी क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। इस शख्स का नाम अखिलेश गौतम है और इसे क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद के वटवा इलाके से गिरफ्तार किया है।

सूरत सिटी क्राइम ब्रांच पुलिस द्वारा 26. 10. 2023 को एक गुप्त सूचना के आधार पर सूरत के वेसु कैनाल रोड पर जीडी गोयनका स्कूल के सामने अबुबकर नाम के एक बांग्लादेशी को पकड़ा गया। उसके पास से भारतीय आधार कार्ड समेत अन्य साक्ष्य भी बरामद किये गये।पुलिस द्वारा अबू बक्र से पूछताछ में पता चला कि अबू बक्र ने यह आधार कार्ड अहमदाबाद में रहने वाले अपने एक परिचित से बनवाया था। अबू बक्र से पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच पुलिस द्वारा उस शख्स की तलाश की जिसने एक बांग्लादेशी व्यक्ति का भारतीय आधार कार्ड बना दिया।

तभी एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अहमदाबाद के वटवा इलाके में रहने वाले अखिलेश गौतम नाम के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अखिलेश जमीन पट्टे का व्यवसाय चलाता है और अपने परिवार के साथ अहमदाबाद के वटवा इलाके में रहता है। आरोपी अखिलेश गौतम ने कबूल किया है कि वर्ष 2013-14 से उसे ट्विन स्टार इंडस्ट्रियल नाम की मुंबई की कंपनी से आधार कार्ड बनाने का उप-ठेका मिला था। फिर 2016 में उसने और अधिक पैसे पाने के लालच में बांग्लादेशी नागरिक का भारतीय निवास के प्रमाण के बिना एक आधार कार्ड बनाने के आरोप में पुलिस ने अखिलेश गौतम को गिरफ्तार कर लिया। उससे आगे पूछताछ की जा रही है कि इस प्रकार से और कितने बांग्लादेशियों के आधार कार्ड बनाए हैं।

सिटी बस सेवा का सनिया कनदे गांव से शुभारंभ किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत रेलवे स्टेशन से डिंडोली मधुरम सर्कल तक जानेवाली सिटी बस सेवा को अब सनिया कनदे गांव तक ले जाने की स्थानिय लोगों की मांग का नगर निगम ने स्वीकार किया। महापौर सहित नगर निगम पदाधिकारियों की उपस्थिति में सनिया कनदे गांव से 104 नंबर की सिटी बस को हरी झंडी दिखाकर बस सेवा का शुभारंभ किया गया।

सूरत नगर निगम के परिवहन समिति के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे ने जानकारी देते हुए कहा कि सनिया कनदे के सरपंच जसपाल सिंह सोलंकी की सिफ़ारिश और चोर्यासी विधानसभा के विधायक संदीपभाई देसाई की सिफ़ारिश पर सिटी बस सेवा को सनिया गांव तक लंबाने का निर्णय लिया है। सूरत स्टेशन से 104 नंबर सिटीलिंक सिटी बस डिंडोली मधुरम सर्कल तक जा रही थी जिसे अब सनिया कनदे तक लंबाने की कल शुभ शुरूआत हुई। 104 नंबर की बस डिंडोली के पास मधुरम सर्कल तक ही जाती थी वही बस को अब 700 मीटर आगे सनिया कनदे गांव से चलाया जायेगा। इसके कारण सनिया गांव के आसपास चहुओर हो रहे विकास के कारण स्थानिय लोगों को भी बस सेवा का लाभ मिलेगा।

सनिया गांव से सिटी बस सेवा के शुभारंभ के अवसर पर सूरत महानगरपालिका के महापौर दक्षेशभाई मावाणी, विधायक संदीपभाई देसाई, उपमहापौर डॉ. नरेंद्रभाई पाटिल, स्थायी समिति के अध्यक्ष राजनभाई पटेल, सत्तारूढ़ दल की नेता श्रीमती शशिबेन त्रिपाठी, दंडक धर्मेशभाई वानियावाला, लोक निर्माण विभाग समिति अध्यक्ष भाईदासभाई पाटिल, नगरसेवक सुधाकरभाई चौधरी, निरालासिंह राजपूत, सरपंच जसपाल सिंह सोलंकी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे